



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2] नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 9, 1971 (पौष 19, 1892)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 9, 1971 (PAUSA 19, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 20 अक्टूबर 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 20th October 1970 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

— एन्टी —
—N.I.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .	पृष्ठ 37	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं .	पृष्ठ 189
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .	29	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .	35
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .	1	भाग III—खंड 1—भागलेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	45
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .	33	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें .	11
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम .	—	भाग III—खंड 3—मूल्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .	1
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रब्रह्म समितियों की रिपोर्टें .	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं .	5
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) .	109	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैरसरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें पूरक संख्या —2 2 जनवरी 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट .	5
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .	37	2 दिसम्बर 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	33
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .	29	PART II—SECTION 3.—Sub-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .	189
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence .	1	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .	35
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .	33	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .	45
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta .	11
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .	1
PART II—SECTION 3.—Sub-SEC. (1)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .	109	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .	5
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .			
SUPPLEMENT No. 2 Weekly Epidemiological Reports for week ending 2nd January 1971 .			
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 12th December 1970 .			
33			
43			

भाग I—खण्ड 1
(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम प्रायालय द्वारा जारी को गई विधितर नियमों विभिन्नों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं।

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 नवम्बर 1970

संकल्प

सं० एस० 1-14/69-एस० डब्ल्यू०-३—समाज कल्याण विभाग के दिनांक 22-4-1969 के संकल्प संख्या एफ० 1-14/69 एस० डब्ल्यू०-३, जिसके द्वारा केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (कम्पनी) का सामान्य निकाय गठित किया गया था, का आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार श्री वी० एन० महेश्वरी, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, को श्री ए० पी० बी० कृष्णन, समाज कल्याण विभाग के संधित वित्त में, संयुक्त सचिव, के स्थानान्तर के कारण हुई रिक्ति पर 2-12-1969 से केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (कम्पनी) के सामान्य निकाय का सदस्य सहर्ष नियुक्त करती है।

आदेश

आदेश किया जाता है कि संकल्प की प्रतिलिपि इनको भेजी जाये:

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सब सदस्य।
2. सब राज्य सरकार/संघ क्षेत्र।
3. भारत सरकार के सब मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. मंत्री-मंडल सचिवालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय/प्रधान मंत्री सचिवालय।
8. प्रेस सूचना व्यूरो।
9. केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार, नई दिल्ली।
10. कम्पनी कार्य विभाग।
11. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।
12. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी ला बोर्ड, कानपुर।
13. सचिव केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।
(50 अतिरिक्त प्रतियों सहित)
14. राज्यों के समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष।

आदेश किया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि भारत के राजपत्र में, सामान्य जानकारी के लिए, प्रकाशित की जाये।

टी० एस० एन० स्वामी, अवर सचिव

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० 22/22/69-एस० डब्ल्यू०-५—इस विभाग के पूर्व के संकल्प संख्या एफ० 5/2/6-प्र०ह० सेल (एस० डब्ल्यू०-५)

दिनांक 17 सितम्बर, 1968, जिसके द्वारा केन्द्रीय मद्यनिषेध समिति का गठन किया गया था, के आशोधन में भारत सरकार ने विधि तथा समाज कल्याण मंत्री को अध्यक्ष और विधि तथा समाज कल्याण राज्य मंत्री को उपाध्यक्ष बना कर इस समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। समिति की रूचना इस प्रकार होगी:—

1. विधि तथा समाज कल्याण मंत्री	अध्यक्ष
2. विधि तथा समाज कल्याण राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
3. मद्य निषेध के कार्यभारी मंत्री, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।	सदस्य
4. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, आसाम, शिलांग	सदस्य
5. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, बिहार, पटना।	सदस्य
6. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, गुजरात, गांधीनगर	सदस्य
7. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, हरियाणा, चंडीगढ़।	सदस्य
8. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, जम्मू तथा कश्मीर, श्रीनगर।	सदस्य
9. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, केरल, त्रिवेन्द्रम।	सदस्य
10. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, मध्य प्रदेश, भोपाल।	सदस्य
11. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, महाराष्ट्र, बम्बई।	सदस्य
12. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, मैसूर बंगलूर।	सदस्य
13. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, नागार्लंड, कोहिमा।	सदस्य
14. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, उड़ीसा, भुवनेश्वर।	सदस्य
15. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, पंजाब, चंडीगढ़।	सदस्य
16. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, राजस्थान, जयपुर।	सदस्य

17. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, तामिल नाडु, मद्रास ।	सदस्य
18. मद्यनिषेध के कार्यभारी मंत्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।	सदस्य
19. मद्यनिषेध के कार्यभारी सचिव, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।	सदस्य
20. } संघ राज्य क्षेत्रों के बारी बारी तीन सदस्य ।	सदस्य
22. 23. श्री टी० सिदालिनियाह, भूतपूर्व संसद सदस्य, उप-लांगफोर्ड रोड, बंगलूरु ।	सदस्य
24. श्री जगलाल चौधरी, उपाध्यक्ष, बिहार नशाबन्दी परिषद्, कदमकुवां, पटना ।	सदस्य
25. श्री मनुभाई एम० पटेल, सचिव, नशाबन्दी मंडल, गुजरात, जमशेदजी मैनशन, अहमदाबाद ।	सदस्य
26. श्री पी० जी० करुथिरुमन, विधान सभा सदस्य, तमिलनाडु विधान सभा में विरोधी पक्ष के नेता ।	सदस्य
27. श्री टेक चंद, मकान नं० 32, सैकटर 4, चंडीगढ़ ।	सदस्य

कार्य :

- (1) विभिन्न राज्यों में मद्यनिषेध नीति और मद्यनिषेध की प्रगति के आवधिक पुनर्विलोकन करना ;
- (2) मद्यनिषेध की नीति को कार्यरूप देने में राज्यों के सामने आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन करना तथा उन कठिनाइयों को दूर करने के लिए उपयुक्त उपायों की सिफारिश करना ;
- (3) जिन इलाकों में मद्यनिषेध है और जिनमें मद्यनिषेध नहीं है उन दोनों ही में मद्यनिषेध के हक में प्रचार को तेज करने के लिए तरीकों का सुझाव देना ;
- (4) मद्यनिषेध तथा मध्यपान के आधिक और सामाजिक तात्पर्यों के, विशेषकर निम्नलिखित प्रकार के विषयों के सम्बन्ध में वैज्ञानिक अनुसंधान तथा सांख्यिकी अध्ययन करना :—
 - (1) एल्कोहोलिक पेयों तथा मादक पेयों के निर्माण में अब उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री के वैकल्पिक उपयोग ;
 - (2) मद्यनिषेध को लागू करने के कारण जिन परिवारों के रोजगार के वर्तमान साधन समाप्त हो गए हों, उनका पुनर्वास ; तथा
- (5) (1) मद्यनिषेध तथा मद्य त्याग के प्रचार ;
(2) एल्कोहल और शराब के व्यसनियों की देखभाल और पुनर्वास ; तथा

(3) मद्यनिषेध के सम्बद्ध समस्याओं के सम्बन्ध में वैज्ञानिक अनुसंधान : में लगी सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों को उत्साहित करने तथा सहायता देने के लिए उपयुक्त उपायों की सिफारिश करना ।

आवेदन : आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्री मंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद कार्य विभाग, अधिकारी भारतीय मद्यनिषेध परिषद तथा राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के मुख्य सचिवों को भेजी जाए ।

यह भी आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प को साधारण सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

टी० एस० एन० स्वामी, अवर सचिव
कृते सचिव

विवेशी व्यापार मन्त्रालय
लौह अयस्क निर्यात (प्रायोजना) समिति
संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1970

सं० 15/6/64-68/एम० एण्ड एफ०—भारत सरकार के संकल्प सं० 15/49/64-एम० एण्ड एफ० दिनांक 3-10-1964 में, जिसे संकल्प संख्या 15/6/64-एम० एण्ड एफ० दिनांक 15-2-1965, 19-10-1965, 11-4-1967, 28-9-1968, 7-4-1969 तथा 30-6-1969 द्वारा संशोधित किया गया था, और आगे संशोधन करते हुए भारत सरकार ने निश्चय किया है कि संकल्प के पैरा 3 में, जो उपरोक्त समिति के गठन के सम्बन्ध में हैं, निम्नलिखित संशोधन किया जाये :—

“3. गठन

समिति का गठन निम्नोक्त प्रकार होगा :—

1. अध्यक्ष, भारतीय खनिज तथा धातु व्यापार निगम लिं०। अध्यक्ष
2. अध्यक्ष, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड। सदस्य
3. सलाहकार (उद्योग तथा खनिज) योजना आयोग। सदस्य
4. लौह अयस्क खानों के विकास से सम्बन्धित संयुक्त सचिव, खान तथा धातु विभाग। सदस्य
5. संयुक्त सचिव (पत्तन तथा परिवहन) नौवहन तथा परिवहन विभाग। सदस्य
6. भारी इंजीनियरी निगम, भारतीय खान तथा धातु व्यापार निगम और अन्य भारी इंजीनियरी प्रायोजनाओं से सम्बद्ध संयुक्त सचिव, इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मंत्रालय। सदस्य

७. लौह अयस्क नियतियों से सम्बद्ध संयुक्त सचिव निदेशक, विदेशी व्यापार मंत्रालय ।	सदस्य
८. निदेशक (परिवहन), रेलवे बोर्ड	सदस्य
९. निदेशक (आयोजना), रेलवे बोर्ड	सदस्य
१०. उप-सचिव (योजना वित्त), वित्त मंत्रालय (व्यव विभाग) ।	सदस्य
११. लौह अयस्क के नियतियों से सम्बद्ध निदेशक—भारतीय खनिज तथा धातु व्यापार निगम लि. ।	सदस्य-सचिव"

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

ए० के० मुख्यर्जी, निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1970

संकल्प

फा० सं० 14(9)-प्लांट(ए)/66—पैथीनीत चाय सम्पदा को, जिसे भारत सरकार द्वारा खरीद लिया गया है और जिसका प्रबन्ध उसकी ओर से मैसर्स ऑफिसियल स्टील एण्ड कं० लि०, कलकत्ता द्वारा किया जाना जारी है, उचित ढंग से चलाना मुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार ने चाय सम्पदा के प्रबन्ध तथा परिचालन से संबंधित सभी विषयों पर सरकार को सलाह देने के लिए, इस मंत्रालय के संकल्प सं० 14(9)-प्लांट(ए)/66 दिनांक 13 मार्च, 1969 द्वारा गठित सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन करने का विनिश्चय किया है ।

२. पुनर्गठित बोर्ड में निम्नोक्त सदस्य होंगे :—

(1) श्री बी० आर० बोहरा, अध्यक्ष, चाय बोर्ड, १४, ब्रावोन रोड, कलकत्ता-१ ।	अध्यक्ष
(2) श्री पी० के० कनोरिया, सदस्य, चाय बोर्ड, कलकत्ता-१ ।	सदस्य
(3) श्री सी० वेंकटरमण, निदेशक, वित्त मंत्रालय (एफ० टी० डिविजन)	सदस्य
(4) श्री एन० एन० मल्हन, उप-निदेशक, विदेशी व्यापार मंत्रालय ।	सदस्य
(5) श्री जे० सी० क्रोफोर्ड, प्रबन्ध-निदेशक, मै० ऑफिसियल स्टील एण्ड कं० लि०, कलकत्ता ।	सदस्य-संयोजक

३. प्रबन्ध-अधिकारी, मैसर्स ऑफिसियल स्टील एण्ड कं० लि०, कलकत्ता सम्पदा के प्रबन्ध से सम्बद्ध सभी नीति संबंधी विषय बोर्ड के समक्ष रखेंगे जो इस प्रकार के विषयों पर विचार-विमर्श करेगा। तथा उन पर सरकार को सलाह देगा ।

४. इस बोर्ड का गठन 31 मार्च 1971 तक की अवधि के लिए होगा तथा उसकी बैठकें सामान्यतः कलकत्ते में ही होंगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

एस० एन० दन्दोना, उप-सचिव

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय
(खान तथा धातु विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1970

सं० 12(12)/70-खा० ४२—समय समय पर यथा-संशोधित, इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० 13(19)/63-खा० ४२, तारीख 21 मई 1965 के आंशिक उपान्तरण में यह विनिश्चय किया गया है कि पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (खान तथा धातु विभाग) के राज्य मंत्री, खनिज सलाहकारी बोर्ड के उपाध्यक्ष होंगे ।

के० एस० रामचन्द्रन, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1970

सं० को० II-7(2)/70—इस मंत्रालय के सम-संबलपक पद तारीख 28 नवम्बर, 1970 के आंशिक उपान्तरण में, यह विनिश्चय किया गया है कि पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (खान तथा धातु विभाग) के राज्य मंत्री को यला सलाहकारी परिषद के उपाध्यक्ष होंगे ।

जी० रामस्वामी, निदेशक

स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन तथा निर्माण, आवास एवं नगर विकास मंत्रालय

(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1970

सं० 2-20/69-नीति—समय समय पर यथा-संशोधित इस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5-12/67-सी० एण्ड सी० (एफ० पी०), दिनांक 14 अगस्त, 1967 जिसमें केन्द्रीय परिवार नियोजन परिषद का पुनर्गठन किया गया था, का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने केन्द्रीय परिवार नियोजन परिषद का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है, जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

१. स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन और

निर्माण, आवास तथा नगर विकास

मंत्री

अध्यक्ष

2. स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगर विकास राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष	31. स्वास्थ्य सेवाओं का महानिदेशक । 32. संपूर्ण सचिव, वित्त मंत्रालय, (स्वास्थ्य शाखा) । 33. खाद्य एवं कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (सामुदायिक विकास विभाग) । 34. सशस्त्र सेनाओं की चिकित्सा सेवाओं का महानिदेशक, नई दिल्ली । 35. निदेशक (स्वास्थ्य) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली । 36. महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसन्धान, परिषद, नई दिल्ली । 37. अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद कोटला रोड, टेम्पल लेन, नई दिल्ली । 38. महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद अंसारी नगर नई दिल्ली । 39. अध्यक्ष, जनांकिकीय एवं संचार क्रिया अनुसन्धान समिति, मार्केट केन्द्रीय परिवार नियोजन संस्थान, एल-17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । 40. महासचिव, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड, नई दिल्ली । 41. महासचिव, भारतीय रेडक्रास सौसायटी, रैड क्रास रोड, नई दिल्ली । 42. सचिव, भारतीय प्रशिक्षित उपचारिका संघ, एल-16, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । 43. अध्यक्ष, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, पार्लियमेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली । 44. अध्यक्ष, भारतीय परिवार नियोजन संस्था, मैट्रोपालिटन हाउस, दावाभाई नौरोजी रोड, बम्बई । 45. अध्यक्ष, भारतीय ग्रामीण महिला संघ, जामनगर हटमैट्स, ब्लाक 2, नई दिल्ली । 46. अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा संघ, आई० एम० ए० हाऊस, इन्ड्रप्रस्थ ऐस्टेट, नई दिल्ली । 47. अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय महिला परिषद फ्लैट संख्या 7, 54 चौरंगी रोड, कलकत्ता । 48. अध्यक्ष, भारतीय बाल कल्याण परिषद, 4 राउज एवेन्यू, नई दिल्ली । 49. आनंदरी महासचिव, भारतीय समाज कल्याण सम्मेलन, 42 क्वींज बैरक्स, फोरेस्टर रोड, बम्बई ।
--	-----------	--

५०. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य मण्डल
एवं उद्योग संघ अथवा उसका प्रति-
निधि, फैड्रेशन हाउस, नई दिल्ली ।

५१. अध्यक्ष, भारतीय जन स्वास्थ्य संघ,
मार्फत अखिल भारतीय स्वास्थ्य
विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य संस्थान,
११० चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता ।

५२. अध्यक्ष, भारतीय जनसंघ्या परिषद्,
लोधी एस्टेट, नई दिल्ली ।

५३. डा० अमुल देसाई ।

५४. श्रीमती तारा चेरियन,

५५. डा० (श्रीमती) हेम सनवाल, २५,
माल एवेन्यू, लखनऊ

५६. ले० कर्नेल बरकत नारायण, डी-३५३,
डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

५७. श्रीमती रेणुका रे, २४/१, वालीगंज
सरकुलर रोड, कलकत्ता-१९ ।

५८. डा० ठाकोर भाई पटेल ।

५९. डा० वाई० जी० बोधे, वरिष्ठ अवैत-
निक सर्जन, सून अस्पताल तथा
बी० जे० मैडिकल कालेज, पूना ।

६०. आयुक्त (परिवार नियोजन एवं
मातृ शिशु स्वास्थ्य) ।

सदस्य सचिव

2. परिषद के सदस्य साधारणतया दो वर्षों के लिए सदस्य
न्दगे ।

3. परिषद वर्ष में कम से कम एक बार अपनी बैठक बुलाएगी ।

4. परिषद की बैठकों में भाग लेने के लिए संतोषी और पदा-
धिकारियों के यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता सम्बन्धी खर्च उसी
स्थित से पूरा किया जाएगा जिससे वे बेतन पाते हैं । समिति की
बैठकों में भाग लेने के लिए समिति के गैर-सरकारी सदस्यों के
यात्रा और दैनिक भत्ते अनुपूरक नियम १९० की व्यवस्थाओं तथा
उनके अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा समय पर जारी किए
गए आदेशों के अनुसार विनियमित होंगे ।

5. यह व्यय मुख्य शीर्ष ३०-ख. जनस्वास्थ्य ख. ५ विविध ख.
५(४)-परिवार नियोजन पर व्यय ख. ५(४)(५)-तकनीकी सलाह
एवं पर्यवेक्षण, ख. ५(४)(५)(१)-मुख्यालय का तकनीकी पक्ष
के अन्तर्गत वर्ष १९७०-७१ और १९७१-७२ के अन्तर्गत अनुदान
संख्या ३८ चिकित्सा और जनस्वास्थ्य के अधीन स्वीकृत बजट
अनुदान से पूरा किया जाएगा ।

आदेश

आदेश है कि अधिसूचना की एक प्रति समस्त राज्य सरकारों/
संघ शासित क्षेत्रों को भेज दी जाए और भारत के राजपत्र में सूचनार्थ
अधिसूचना को प्रकाशित किया जाए ।

दीनानाथ चौधरी, उप-सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक २१ दिसम्बर १९७०

सं० २२-३१/७०-वन विकास—इस मंत्रालय की अधिसूचना
सं० २६-२६/६६ वन विकास, दिनांक ७-१०-१९६८ का आंशिक
आशोधन करते हुए, भारत सरकार ने संकल्प संख्या ५-२१/५९
वन-२, दिनांक २२ नवम्बर, १९६० के जिस का समय-समय पर
संशोधन किया गया, पैरा ४ में उल्लिखित दिल्ली चिड़ियाघर
परिषद का निम्न प्रकार से पुनर्गठन करने का निर्णय किया है:—

१. अध्यक्ष	खाद्य तथा कृषि मंत्री
२. तथा ३ सम-अध्यक्ष	(१') राज्य मंत्री, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय ।
	(२) उप-मंत्री (सामुदायिक विकास) ।
४. उपाध्यक्ष	सचिव, कृषि विभाग ।
५. सरकारी सदस्य,	वन महानिरीक्षक
६. सरकारी सदस्य	खाद्य तथा कृषि मंत्रालय से सम्बद्ध वित्तीय सलाहकार ।
७. सरकारी सदस्य	पशुपालन आयुक्त, भारत सरकार
८. „	निदेशक, भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इंजिनियरिंग
९. „	मुख्य अधियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग ।
१०. „	आयुक्त, नगर निगम, दिल्ली ।
११. „	निदेशक, दिल्ली चिड़ियाघर ।
१२. गैर-सरकारी सदस्य	संसद सदस्य, लोक सभा
१३. „ „	संसद सदस्य, लोक सभा
१४. „ „	संसद सदस्य, राज्य सभा ।
१५. „ „	सुविध्यात सार्वजनिक व्यक्ति/ प्रकृति विशेषज्ञ ।
१६. „ „	सुविध्यात सार्वजनिक व्यक्ति/ प्रकृति विशेषज्ञ
१७. „ „	सुविध्यात सार्वजनिक व्यक्ति/ प्रकृति विशेषज्ञ ।
१८. „ „	सुविध्यात सार्वजनिक व्यक्ति/ प्रकृति विशेषज्ञ
१९. सदस्य-सचिव	अवर सचिव (वन) कृषि विभाग
	आर० सी० सोनी, वन महानिरीक्षक, तथा पद्धत अपर सचिव

पोतपरिवहन तथा परिवहन संकालन

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० 13-पी० जी० (54)/70—भारत सरकार को मदरास पत्तन की 1969-70 की प्रशासन रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। रिपोर्ट के मुख्य तथ्य नीचे दिये जा रहे हैं:—

1. **वित्तीय स्थिति :** विचाराधीन वर्ष में पत्तन न्यास को 939. 89 लाख रुपये की निवल राजस्व आय हुई इसकी तुलना में गत वर्ष 823. 00 लाख रुपये की आय हुई थी। इस प्रकार आय में 116. 89 लाख रुपये की वृद्धि हुई।

ऋण प्रभार को मिलाकर इस वर्ष 883. 89 लाख रु० का निवल व्यय हुआ। इसकी तुलना में गत वर्ष 689. 82 लाख रुपये का व्यय हुआ था। इस राशि में पूँजीगत लेखे को दिया गया 1 करोड़ रुपये का अंशदान शामिल है।

पूँजीगत लेखे को दिये गये 1 करोड़ रुपये के अंशदान को छोड़कर और 1 जनवरी, 1969 से 31 मार्च, 1970 तक की अवधि के लिये अमला को देय पत्तन और मजदूरी के भुगतान के लिये 102. 50 लाख रुपये की व्यवस्था जिसमें पत्तन और गोदी कर्मचारियों के केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों की क्रियान्विति के फलस्वरूप की जाने वाली अनुग्रहपूर्वक अदायगी शामिल है, करने के बाद इस वर्ष के कार्यकरण से 56. 00 लाख रुपये का निवल अधिशेष रहा।

विचाराधीन वर्ष में पत्तन न्यास ने पूँजीगत कार्यों के लिये लिये सामान्य आरक्षण निधि में 100 लाख रुपये पेशन निधि में 15 लाख रुपये सामान्य बीमा निधि में 2 लाख रुपये और कर्मचारियों की कल्याण निधि में 0. 80 लाख रुपये का अंशदान दिया।

यद्यपि पुनरीक्षित लेखा प्रक्रिया के अनुसार कनहारी का पृथक तुलनपत्र और राजस्व लेखे रखना समाप्त कर दिया गया है परन्तु एक प्रत्यक्ष कनहारी लेखा तैयार किया गया है। कनहारी के कार्यकरण के परिणाम स्वरूप 398701 रुपये का अधिशेष रहा जब कि गत वर्ष यह अधिशेष 918,443 रुपये था। इस का कारण यह है कि इस वर्ष समानुपातिक प्रबन्ध और सामान्य व्यय कनहारी खाते के नामे डाला गया है जो गत वर्ष नहीं किया गया था।

सामान्य आरक्षण निधि और सामान्य निधि का अधिशेष विचाराधीन वर्ष के अंत में 403. 21 लाख रुपये था जबकि गत वर्ष यह 467. 20 लाख रुपये था।

शेष ऋण :

भारत सरकार के ऋणों की कुल शेष राशि विचाराधीन वर्ष के अंत में 14. 99 करोड़ रुपये थी और आई० बी० आर० डी० का शेष ऋण-राशि 4. 66 करोड़ रुपये थी। डच साहूकारों से लिये गये ऋण में से 31-3-1970 को 1. 69 करोड़ रुपये बाकी थे।

2 यातायात :

1969-70 में कुल यातायात (खाद्यान्त के नोकान्तरित टनभार सहित) 6632420 टन हुआ इसकी तुलना में 1968-69

में 6025547 टन का यातायात हुआ था। विचाराधीन वर्ष वर्ष में इस पत्तन से हुये आयात और निर्यात की क्रमशः 3535771 और 2004372 टन थी। गत वर्ष के आयात और निर्यात की संगत संख्यायें क्रमशः 3021836 टन और 2356170 टन थी।

1969-70 में कुल तटीयव्यापार 872960 टन हुआ जब कि गत वर्ष वह 937754 टन हुआ था। 1969-70 में विदेशी व्यापार 5567183 टन था और 1968-69 में वह 4440257 टन था।

पत्तन न्यास रेलवे ने विचाराधीन वर्ष में 3230117 टन यातायात की घरा उठाई की जब कि 1968-69 में यह संख्या 3244009 टन थी।

3-पोतपरिवहन :

पालपोतों को छोड़कर विचाराधीन वर्ष में इस पत्तन पर आने वाले जहाजों की संख्या 1070 थी जब कि गत वर्ष में यह संख्या 1114 थी। कुल टनभार 53710166 था इस की तुलना में गत वर्ष का टनभार 5286256 था।

श्रमिक :

विचाराधीन वर्ष में श्रमिकों की स्थिति सामान्यतः संतोषजनक थी। श्रमिक कल्याण उपायों को विशिष्ट ध्यान देना पूर्ववत बना रहा।

5 निर्माण कार्य :

विचाराधीन वर्ष में कुल पूँजीगत व्यय 5. 77 करोड़ रुपये हुआ। वर्ष के दौरान पूरे किये गये तथा चालू कुछ महत्वपूर्ण निर्माण कार्य नीचे दिये जा रहे हैं:—

पूरे किये गये निर्माण कार्य

(1) नये वर्कशाप का निर्माण क्रम 2

(2) नये वर्कशाप के आनुसंधिक निर्माण कार्य।

हो रहे निर्माण कार्य

(1) तेल गोदियों की योजना के अंतर्गत के पूँजीगत निकर्षण कार्य।

(2) परिष्कृत वस्तु लाइनों के लिये टेंकर लादान सुविधाएं

(3) तेल गोदी योजना के अंतर्गत एक तेल गोदी को निर्माण और पूँजीगत निकर्षण।

(4) क्रम 2—वालू गोदी पर केसनों की रक्षा के लिये ब्लाकों और टेट्रापाडों को ढालना।

6-अभिस्वीकृति :

विचाराधीन वर्ष में मदरास पत्तन न्यास द्वारा किये गये कार्य से सरकार संतुष्ट।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रतिलिपि सभी संबंधितों को भेज दी जाये।

यह भी अदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य मूल्यान्तर के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

के० नारायणन, संयक्षत सचिव

भ्रम, नियोजन एवं पूर्वांस भवालय

(भ्रम एवं नियोजन विभाग)

नियोजन एवं प्रशिक्षण भवानिवेशालय

मई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० एम० पी० 10(110)/69—गत बजे से देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में बेरोजगारी एवं अपूर्ण रोजगार की समस्या, सरकार के लिए गम्भीर चिन्ता का कारण रही है। आम तौर से शिक्षित व्यक्तियों और विशेष रूप से तकनीकी योग्यता प्राप्त लोगों जैसे इंजीनियरों और तकनीशियनों, के काफी बड़ी संख्या में आवश्यकता से अधिक पाए जाने के कारण समस्या को एक नया आयाम मिल गया है। सरकार ने अब एक समिति नियुक्त करने का निश्चय किया है जो बेरोजगारी और अपूर्ण रोजगार की मात्रा का अनुमान लगाएगी तथा उपयुक्त उपचारी उपाय प्रस्तुत करेगी। इस समिति का गठन नीचे लिखे अनुसार होगा।

अध्यक्ष

1. श्री बी० भगवती, सदस्य विधान सभा, असम।

सदस्य

1. श्री अयोतिर्भव बसु, सदस्य लोक सभा।
2. श्री एम० आनन्दम, सदस्य राज्य सभा।
3. श्री बी० एल० गिडवानी, नियोजन आयुक्त, मंत्रिमंडल सचिवालय (मंत्रिमंडल कार्य विभाग)।
4. श्री जगदीश चन्द्र माथुर, अपर सचिव, कृषि विभाग।
5. श्री के० बालाचन्द्रन, अपर सचिव, औषधिक विकास विभाग।
6. डा० अशोक मित्रा, मुख्य आर्थिक सलाहकार, अर्थ विभाग।
7. श्री डी० एन० बैनर्जी, विशेष अधिकारी एवं पदेन सचिव, गृह विभाग, परिचम बंगाल सरकार।
8. श्री एन० सुन्दरम, विकास आयुक्त, मध्य प्रदेश सरकार।
9. डा० गोतम माथुर, प्राध्यापक, उपमानिया महाविद्यालय।

सदस्य सचिव

10. श्री एन० एस० पांडे, आई० ए० एस०।

इस समिति के विचारणीय विषय निम्नलिखित होंगे:—

(एक) बेरोजगारी का अनुमान लगाने के लिए प्रो० एम० एल० दांतवाला की अध्यक्षता में योजना आयोग द्वारा नियुक्त की गई विशेषज्ञों की समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए बेरोजगारी और अपूर्ण रोजगार की मात्रा का हर पहलू से अनुमान लगाना।

(दो) समयानुरूप कार्यान्वयन, मित्रव्ययता व उत्पादिता और गतिमान आर्थिक विकास की आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व देते हुए ऐसा विश्वास दर्शन करना जिससे कि चौथी पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित

कार्यक्रम लागू होने पर अधिक मात्रा में नियुक्ति अवसर प्रदान करने वाले बन सकें।

(तीन) योजनागत कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और अर्थ व्यवस्था को गतिशील बनाने के लिए सरकार द्वारा आरम्भ किये विभिन्न उपायों के फलस्वरूप, श्रमिकों की गतिशीलता और तृतीय क्षेत्र में उपलब्ध नियुक्ति-अवसरों व स्वनियोजन के अवसरों को ध्यान में रखते हुए, अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में, तकनीकी वित्तीय और राजस्व विषयक उपायों सहित, अन्पकालिक एवं दीर्घकालिक आधार पर रोजगार के अवसरों की वृद्धि के लिए उपयुक्त नीतियों का सुझाव देना।

(चार) सामान्य रूप से शिक्षित बेरोजगार लोगों, और विशेषकर तकनीकी योग्यता प्राप्त बेरोजगार व्यक्तियों, यथा इंजीनियरों व तकनीशियनों आदि के लिए उत्पादनकारी नियुक्ति व स्वनियोजन के अवसरों की वृद्धि के लिए विशिष्ट कार्यक्रम सुझाना और, साथ ही, एक और शिक्षितों व तकनीकी योग्यता प्राप्त उपलब्ध व्यक्तियों तथा दूसरी ओर इनके लिए प्राप्त नियुक्ति अवसरों के असंतुलन को सुधारने के लिए उपाय सुझाना।

(पांच) नियुक्ति अवसरों और जनशक्ति की निरंतर वृद्धिलती हुई स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए और तदनुसार मांग और पूति का दीर्घकालीन अनुमान लगाने के लिए, केन्द्र तथा राज्य स्तर पर उपयुक्त संगठन के संबंध में सुझाव देना।

3. इस समिति से एक वर्ष के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रार्थना की जाती है।

4. समिति अपनी कार्यप्रणाली स्वयं निर्धारित करेगी। वह ऐसी जानकारी मांग सकती है और गवाही ले सकती है जिसकी वह आवश्यकता अनुभव करे। भारत सरकार के मंत्रालय/विभाग, ऐसी जानकारी व प्रलेख प्रदान करेंगे और ऐसी सहायता देंगे जिसकी समिति को आवश्यकता हो।

5. भारत सरकार का विश्वास है कि राज्य सरकारें/संघीय प्रशासन, सरकारी एवं निजी क्षेत्र के उपक्रम, नियोजकों एवं श्रमिकों के संगठन तथा संबंधित सभी अन्य संगठन अपना पूरा पूरा सहयोग व सहायता समिति को देंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत सरकार के राजपत्र के भाग-I, खंड (1) में प्रकाशित किया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, संघीय क्षेत्रों के प्रशासनों तथा संबंधित अन्य सभी को भेज दी जाए।

इन्द्रदेव नारायण साही, अवर सचिव

मन्त्री मण्डल सचिवालय
कार्यिक विभाग
नई दिल्ली, दिनांक जनवरी, 1971
नियम

निर्मुक्त आपातकालीन कमीशन प्राप्त अफसर और अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर (रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1967 में विहित उपबन्धों के अनुसरण में उनके लिए निम्नलिखित सेवाओं के ग्रेड 4 आरक्षित रिक्तियों के भरने के प्रयोजन के लिए 1 नवम्बर, 1962 के बाद आपातकालीन कमीशन प्राप्त अफसरों। अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों के चयन के लिए, जून, 1971 में संघ सोकसेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किये जा रहे हैं। निर्मुक्त आपातकालीन कमीशन प्राप्त और अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी (रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1967 29 जनवरी, 1971 से आगे लागू नहीं रहेंगे, जब तक कि सरकार द्वारा उनकी अवधि और न बढ़ा दी जाय :—

- भारतीय आर्थिक सेवा, और
- भारतीय सांखिकीय सेवा।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग के द्वारा निकाली गई संख्या में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अधिकारीय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों से किसी एक से है। संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियों) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियों) आदेश, 1950 और संविधान (अनुसूचित आदिम जातियों) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, जैसा कि बम्बई पुर्नगढ़न अधिनियम, 1960 और पंजाब पुर्नगढ़न अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों व अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956 द्वारा संशोधित हैं। संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियों आदेश, 1959, संविधान (दादर व नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962, संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1962 और संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, इमन और दीव) अनुसूचित जातियों आदेश, 1968, संविधान (गोवा इमन और दीव) अनुसूचित आदिम जातियों आदेश, 1968 और संविधान नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिशिष्ट 2 में विहित रीति से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा नियत किये जायेंगे।

4. जो आपातकालीन कमीशन प्राप्त अफसर/अल्प कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर 1 नवम्बर, 1962 के बाद सशस्त्र

सेवा में नियुक्त हुए थे और जो इस अधिसूचना की तारीख से पहले निर्मुक्त हो चुके हैं, या जो इसके बाद और सन् 1971 के अन्त तक निर्मुक्त होने हैं, वे सब इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

नोट 1:—इन नियमों के प्रयोजन के तेतु “निर्मुक्त” का अर्थ है

- निर्मुक्त होने के वर्ष के अनुसार निर्मुक्त।
- सैनिक सेवा द्वारा उत्पन्न विकलांगता के कारण विकलांगता की घोषणा, सेवा की अवधि के पश्चात् निर्मुक्त, न कि प्रशिक्षण के दौरान या प्रशिक्षण समाप्त होने पर, या वास्तविक सेवा में लिये जाने से पूर्व ऐसे प्रशिक्षण की अवधि को नियमित करने के लिए दिये गये अल्प कालीन सेवा कमीशन के दौरान या उसकी समाप्ति पर नियुक्त और कदाचार, अवधता या अपने अनुरोध पर निर्मुक्त अफसरों के मामले इसके अधीन नहीं आएंगे।

नोट 2:—“निर्मुक्त होने का वर्ष अभिव्यक्ति का अर्थ है :—

- जहा तक आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों से इसका संबंध है, उसके लिए वर्ष जिसमें रक्षा मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें निर्युक्त होना है ; और
- जहा तक अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों का संबंध है उनके लिए वह वर्ष माना जायेगा जिसमें अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में उनके 5 साल के सामान्य सेवा काल की समाप्ति होनी है।

नोट 3:—यदि किसी व्यक्ति को अपना आवेदन पक्ष प्रस्तुत करने के बाद सशस्त्र सेना में स्थायी कमीशन मिल जाता है, अथवा वह लशस्त्र सेना से इस्तीफा देता है या वह उससे कवाचार या अवधता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त कर दिया जाता है तो व्यक्ति की पात्रता रद्द हो सकती।

नोट 4:—जो इंजीनियर तथा डाक्टर केन्द्रीय सरकार में या राज्य सरकारों में खलने वाले औद्योगिक उद्यमों में कार्य करते हैं और जिनको अनिवार्य दायता योजना के अन्तर्गत सशस्त्र सेना में कम से कम निर्धारित अवधि के लिए सेवा करनी पड़ती है और जिनको संगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार की सेवा की अवधि अल्पकालीन सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

नोट 5:—जो अफसर सशस्त्र सेना के स्थायं सेवक आरकी सेवा (वालाटियर रिंजरी फोर्सेज) से संबद्ध होंगे और जो अस्थायी सेवा के लिए नियुक्त किए गये होंगे, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

5. उम्मीदवार को या तो—

- भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- सिक्खिक्रम की प्रजा, या
- नेपाल की प्रजा, या
- भूटान की प्रजा, या
- ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(c) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, अर्मा लंका, और पूर्वी अफ़्रीका के कीनिया, उगांडा, सथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

लेकिन नीचे लिखे उम्मीदवारों को पात्रता प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक नहीं होगा :—

- (ii) जो अवधि 19 जुलाई, 1948 से पहले, पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और तब से आम तौर से भारत में ही रह रहे हों।
- (ii) जो अवधि 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीयित करा लिया हो।
- (iii) ऊपर की (च) कोटि के जो गैर-नागरिक, संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार नौकरी कर रहे हैं और जिनके सेवा काल का क्रम नहीं दृष्टा हो। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के सेवा काल का क्रम टूट गया हो और उसे 26 जनवरी, 1950 के बाद उक्त सेवा में वुनारा नियुक्त किया गया हो तो उसे भी ओरों की तरह पात्रता प्रमाण-पत्र देना होगा।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो और [उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त किया जा सकता है।

6 (क) उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 26 वर्ष से अधिक उस वर्ष की 1 जनवरी, को न हो जिसमें वह सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो, या (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण हो) उसने कमीशन प्राप्त किया हो।

6 (ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(2) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद भारत में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद पूर्वी पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(6) यदि उम्मीदवार गोआ, वमन और दियू के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(7) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(8) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष, और

(9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा, से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(10) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी शक्ति देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।

(11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शक्ति देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।

(12) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और अनुसूचित जातिया अनुसूचित आदिम जाति का हो और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक,

(13) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और अनुसूचित जातिया अनुसूचित आदिम जाति का हो और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो, तो उसके लिए अधिकतम आठ वर्ष,

(14) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963, 1964 या उसने 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का निवासी हो तो उसके लिए अधिकतम चार वर्ष तक, और

(15) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा उसने 1963, 1964 और 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो और वह भारतीय नागरिक है और लंका से प्रस्थावर्ती हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक,

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी ।

7. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

नोट :—यदि उम्मीदवार किसी एक या अधिक विषयों में प्रतियोगिता परीक्षा में बैठता है तो उसे प्रतियोगी समझा जाएगा ।

8. (क) भारतीय आर्थिक सेवा के उम्मीदवारों के पास परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विश्वविद्यालयों में से किसी से प्राप्त अर्थ-सास्त्र या सांख्यिकी के विषयों के साथ स्नातकीय उपाधि होनी चाहिए ।

(ख) भारतीय सांख्यिकीय सेवा के उम्मीदवारों के पास परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विश्वविद्यालयों में से किसी से प्राप्त सांख्यिकीय गणित या अर्थशास्त्र में से किसी एक विषय के साथ स्नातकीय उपाधि होनी चाहिए, या परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित कोई योग्यता होनी चाहिए ।

नोट-I यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंता परीक्षा (कालीफाइंग एजेंसीनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है वशर्ते कि वह अहंता परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए । ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य शर्तें पूरी करता हो, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अनन्तिम भानी जाएगी और यदि वह अहंता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा प्रारम्भ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

नोट-II विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र भान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई भी अहंता न हो वशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे ।

नोट-III यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विवेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग का आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश के सकता है ।

9. सशस्त्र सेना में सेवा करने वाले उम्मीदवार को इस परीक्षा के लिए अपना आवेदन पत्र अपनी यूनिट के कमान अधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इसे संघ लोक सेवा आयोग को भेजेगा । यदि उम्मीदवार स्वयं ही अपनी यूनिट का कमान अधिकारी है तो उसे आवेदन 'त्र अपने अगले उच्च अधिकारी को प्रस्तुत करता चाहिए ।

सब अन्य सरकारी सेवा के उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश के लिए विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति अवश्य लेनी होती ।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सार्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा ।

12. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए पैरवी करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा ।

13. जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए अपने स्थान पर दूसरे व्यक्ति के प्रमाण-पत्र या जाली या भूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे या तथ्यों को छिपाये या और कोई अनियमित साधन अपनाये, या परीक्षा कक्ष में अनुचित साधन या बुर्बंहार अपनाये, उस के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही के अतिरिक्त :—

(क) उसे स्थायी रूप से या निश्चित अवधि के लिए :—

(i) आयोग द्वारा किसी परीक्षा में बैठने या चयन के लिए मौखिक परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है ; और

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन सेवा के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है ;

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार के अधीन सेवा में हो तो संबंधित नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है ।

14. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (Qualifying Marks) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा (Viva Voce) के लिए बुलाएगा ।

15. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए सिफारिश की जाएगी । यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी ।

लेकिन शर्त यह है कि आयोग अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिए आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार योग्य सिद्ध न हो प्रशासन की कुशलता को व्यानमें रखते हुए उस सेवा पर नियुक्ति केलिए उपर्युक्त घोषित कर दें तो उसकी उस सेवा में रसायनिक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदारों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए आयोग सिफारिश करेगा ।

16. यदि परीक्षा के परिणाम पर, योग्य उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसरों / अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों द्वारा भरे जाने वाले आरक्षित रिक्त स्थानों के लिए प्राप्त नहीं हैं तो बिना भरे हुए रिक्त स्थानों का सरकार द्वारा इस विषय में निष्पारित दण से भरा जाएगा ।

ख 7. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पलचार नहीं करेगा।

18. दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के मामले में उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन देते समय अधिवयक्त की गयी तरजीह पर अपेक्षित ध्यान दिया जायगा।

19. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

20. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दूषित से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्रम प्राधिकारी द्वारा निर्वाचित शारीरिक परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा भौतिक परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा करवाई जा सकती है।

नोट :—बाद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और इसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में योग्यता अधिकारी नियमों के परिशिष्ट 4 में विवरित है।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग सैनिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

21. ऐसा कोई पुरुष /स्त्री,

- (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो।

वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा जिस से विवाह किया गया हो उस पर लागू होने वाले ऐसे वैयक्तिक कानून के अधीन अनुशेय है ऐसा करने के अन्य कारण है तो व्यक्ति को इस कानून से छूट दे सकती है।

22. इस परीक्षा के द्वारा जिसे सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट iii में दिया गया है।

एम० आर० भारद्वाज, अवर सचिव

परिशिष्ट 1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची (नियम के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम से नियमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद के अधिनियम से स्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की द्वारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय मान लिए जाने की घोषणा हो चुकी है।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय,

मांडले विश्वविद्यालय

इंग्लैण्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

वर्मिधम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैचस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफ़फ़ील्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय।

स्काईलैंड के विश्वविद्यालय

एवरर्डीन, एडिनबर्ग, ग्लासगो और सेट एन्ड्र्यूज विश्वविद्यालय।

आयरलैंड के विश्वविद्यालय

इबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)।

नेशनल यूनिवर्सिटी आफ आयरलैंड क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

तिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाडू।

परिशिष्ट 1 - क

केवल भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए स्वीकृत योग्यताओं की सूची (नियम 8ख के अनुसार)

- (1) भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता कास्टेटिस्टी-शियन डिप्लोमा,
- (2) कृषि अनुसंधान, सांख्यिकीय संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई विल्सनी से प्राप्त प्रोफैशनल एंट्रिस्टीशियर्स सर्टिफ़िकेट।

परिशिष्ट 2

खण्ड 1

परीक्षा की स्परेखा :—

प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे :—

- (क) अधिकतम 700 अंकों की, निम्नलिखित खंड दो में निर्दिष्ट उपलब्ध (क) तथा (ख) में दिक्षित गये विषयों में लिखित परीक्षा।

(ब) जो उम्मीदवार आयोग द्वारा सौम्यिक परीक्षा के लिए बुलाये जायें, उनके लिए अधिकतम 450 अंकों की सौम्यिक परीक्षा, जिसमें से 50 अंक सशस्त्र सेना में की गई सेवा की सेवापंजी के मूल्यांकन के लिए होंगे।

खण्ड 2

परीक्षा के विषय

भारतीय आधिक सेवा :

अधिकतम अंक			
1. सामान्य अंग्रेजी	.	.	150
2. सामान्य ज्ञान	.	.	150
3. अर्थशास्त्र 1	.	.	200
4. अर्थशास्त्र 2	.	.	200

(ब) सांख्यिकीय सेवा

1. सामान्य अंग्रेजी	.	.	150
2. सामान्य ज्ञान	.	.	150
3. सांख्यिकीय 1	.	.	200
* 4. सांख्यिकीय 2	.	.	200

*इस विषय में निम्नलिखित पांच शास्त्राधों में से प्रत्येक के अलग अलग पत्र होंगे, जिनमें से उम्मीदवार को केवल दो चुनने होंगे, प्रत्येक प्रश्न पत्र के 100 अंक होंगे।

1. औद्योगिक सांख्यिकीय
2. आर्थिक सांख्यिकीय
3. वैक्षणिक सांख्यिकीय
4. जेनेटीकल सांख्यिकीय
5. ईमोग्राफी और जन शक्ति सांख्यिकीय।

नोट : इस खण्ड में उल्लिखित विषयों का स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग क में दिया गया है।

खण्ड 3

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे।
2. सांख्यिकी-2 को छोड़कर उपर्युक्त खण्ड 2 में विए गये प्रत्येक विषय प्रश्न पत्र के लिये 3 घण्टे का समय दिया जायेगा। सांख्यिकी-2 में इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (क) की मद (आइटम) 6 पर इस विषय के नीचे दिये गये नोट के अनुसार देह-देह घण्टे के पांच प्रश्न पत्र होंगे।
3. उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में उसकी ओर से उत्तर लिखने के लिये किसी अन्य अविक्त की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक (क्षालीकाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय आधिक सेवा के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों के निम्नलिखित विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों को जांचा और अंकित किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के अर्थशास्त्र-1 और अर्थशास्त्र-2 विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे, जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जायेगा।

भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिये केवल उन्हीं उम्मीदवारों के निम्नलिखित विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्नों पत्रों को जांचा और अंकित किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के सांख्यिकीय-1 और सांख्यिकीय-2 विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जायेगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नम्बरों में से कुछ नम्बर काट लिये जायेंगे।

7. अनावश्यक ज्ञान के लिये नम्बर नहीं दिये जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जायेगा कि अधिव्यक्ति कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण लंग और ठीक ठीक की गई हो।

9. उम्मीदवारों से लोल और माप की भीटिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के उत्तर जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तोल और माप की भीटिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाये।

अनुसूचि

(भाग—क)

अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर वही होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

अन्य विषयों के प्रश्न पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के सम्बद्ध व्यवस्थाओं के अंतर्गत 'मास्टर' डिप्री परीक्षा स्तर के होंगे। उम्मीदवारों से तथ्यों द्वारा सिद्धांत की व्याख्या करने और सिद्धांतों द्वारा समस्याओं का विश्लेषण करने की अपेक्षा की जाएगी उनसे अर्थशास्त्री सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में भारतीय समस्याओं से संबंधित विशेष रूप से निपुणता की अपेक्षा की जाएगी।

सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को अंग्रेजी भाषा में एक निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्न उम्मीदवारों को अंग्रेजी संबंधी योग्यता एवं अंग्रेजी शब्दों के सामान्य प्रयोग की जांच करने के लिए रखे जायेंगे। साधारणतया सारांश अथवा सारलेख के लिए ग्राहांश रखे जायेंगे।

सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे :—

पहले भाग में उम्मीदवार से ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें सामरकि घटनाओं का और दिन प्रतिदिन देखी और अनुभव की जाने वाली बातों के वैश्वानिक पक्ष का ऐसा ज्ञान सम्मिलित है जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने वैश्वानिक

विषयों का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पक्ष में भारतीय इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

दूसरे भाग में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके द्वारा उम्मीदवारों की तथ्यों और आंकड़ों का प्रयोग करने तथा उनसे तर्कसंगत निष्कर्ष निकालने जटिलताओं का प्रत्यक्ष जान लेने की योग्यता एवं महत्वपूर्ण और कम महत्वपूर्ण के बीच अंतर करने की योग्यता की जांच की जा सके।

3. अर्थशास्त्र

क्षेत्र तथा विज्ञियी

साम्य विश्लेषण :

उपभोक्ता का मांग का सिद्धांत। नटस्थावक रेखाओं का विश्लेषण अधिभान संबंधी विचारधाराएं। उपभोक्ता की बचत। उत्पत्ति के सिद्धांत। उत्पत्ति के कारक। उत्पत्ति फलन। उत्पत्ति के नियम। फर्म तथा उद्योग के अंतर्गत साम्य।

विभिन्न प्रकार के बाजार संगठनों में मूल्य निर्धारण सामाजिकी अर्थ व्यवस्था में मूल्य निर्धारण/मिश्रित अर्थव्यवस्था में मूल्य निर्धारण।

लोकोपयोगी सेवाएं :—लोकोपयोगिताओं की आर्थिक विशेषताएं लोकोपयोगिता ओं में मूल्य निर्धारण, लोकोपयोगिताओं का नियमन।

वितरण का सिद्धांत। उत्पत्ति कारकों का मूल्य निर्धारण, लगान, मजदूर, व्याज तथा लाभ के सिद्धांत। समष्टि वितरण सिद्धांत। राष्ट्रीय आय में मजदूरी का भाग। लाभ और आर्थिक प्राप्ति। आय वितरण में असमानताएं।

रोजगार और उत्पादन का सिद्धांत :—कलास्तिकल तथा नव-कलास्तिकल विचारधाराएं। कीन्स का रोजगार सिद्धांत। कीन्स के बाद के सिद्धांत।

आर्थिक उतार चढ़ाव। व्यापार चक्रों के सिद्धांत। व्यापार चक्रों को नियंत्रित करने के लिए विस्तीर्ण तथा मीट्रिक नीतियां। कल्याणकारी अर्थशास्त्र—कल्याणकारी अर्थशास्त्र का क्षेत्र, कलास्तिकल तथा नव कलास्तिकल विचार धाराएं, नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र तथा क्षतिपूति के सिद्धांत, अनुकूलपन दशाएं, नीति संबंधी गांधीएं।

4. अर्थशास्त्र-II

आर्थिक विकास की संकल्पना तथा उसका माप दण्ड। सामाजिक लेखे राष्ट्रीय आय के लेखे, निधि प्रधाह का लेखा, विविष्ट-निपज का लेखा।

सामाजिक विचारधाराएं तथा आर्थिक विकास। विकास-नेन्मुखी अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताएं तथा समस्याएं।

जनसंख्या की वृद्धि तथा आर्थिक विकास।

आर्थिक विकास के सिद्धांत। विकास के प्रतिमान।

आयोजन-संकल्पना तथा विधियाँ। समाजवादी तथा पूर्जी-वादी आर्थिक संगठन के आयोजन। मिश्रित अर्थव्यवस्था में आयोजन।

ठोस आयोजन। क्षेत्रीय आयोजन। विनियोग के सिद्धांत तथा पद्धतियों का चयन लाभ विश्लेषण। योजना माडल।

भारत में आयोजन/आयोजन का प्रारंभ/पंचवर्षीय योजनाएं। उद्देश्य तथा पद्धतियां/संस्थापनों की गतिशीलता, प्रशासन तथा जनसंख्योग। मोट्रिक और वित्तीय नीतियों का योगदान, मुख्य नीति, नियंत्रण तथा बाजार विन्यास/व्यापार नीति तथा मुगतान संस्थान/सार्वजनिक उद्यमों का योगदान।

5. सांख्यिकी

विधिश्व प्रकार के सांख्यिकीय संशिक्तन, परिमित अंतर, प्रमाण-अंतर्वेशन-सूत्र तथा परिशुद्धताएं, प्रतिलोम अंतर्वेशन/अवकलन और समाकलन की सांख्यिकीय विधियाँ।

समांविता की परिभाषा-क्लास्टिकल मत, स्वयं सिद्ध मत। प्रतिव्यवन अवकाश। पूर्ण एवं मिश्रित समांविता का सिद्धांत/प्रतिव्यवनी संभाविता। स्वतंत्र घटनाएं। वाई का सूत्र। यादृच्छिक चर, संमाविता अंटन, गणितीय प्रत्यापा। पूर्णजनक फलन तथा लक्षण फलत, प्रतिलिप्तम प्रमेय, टेबीकेज की असमता। प्रतिबंधित बंटन। बहुत संख्याओं के नियम तथा केन्द्रीय सीमित प्रयेय।

प्रभाप बंटन, द्विपद, प्यासों, प्रसामान्य, आयताकार, पातीय विलोम द्विपद, अतिशुणोत्तर, कोशी, लाफलास, बीटा, तथा नामा बंन। द्विघर तथा बहुचर प्रसामान्य बंटन।

बहुत और सूक्ष्म प्रतिचयन सिद्धांत :—अनंत स्पर्शीय प्रतिचयन बंटन तथा बहुत प्रतिचयन परीक्षण। प्रभाप प्रतिचयन बंटन जैसे टी, एक्स 2, एक तथा उन पर आधारित सार्थकता परीक्षण। साहचर्य तथा आसंग सारणियों का विश्लेषण।

सह संबंध गुणांक तथा उसका बंटन, फिशर का 'जेड' रूपांतरण गुणांक।

समाक्षण :—आसंजन रेखा बहुपद, अनेकवा समाक्षण तथा अनेकधा सह-संबंध गुणांक निरकरणीय मामलों में उनका बंटन। अंतर्वर्गीय सह संबंध। वर्क आसंजन तथा लम्ब कोणीय बहुपद।

प्रसरण विश्लेषण। एक धारीय प्रावक्कलन का सिद्धांत। अन्तर्क्षिया प्रभाग सहित विक्र वर्गीकरण। सहपरहारण विश्लेषण। प्रयोग अभिकल्पना के मूल सिद्धांत। सामान्य अभिकल्पनाओं का अभिन्नास तथा विश्लेषण जैसे यादृच्छिकीकृत खंड तथा लेटिन वर्ग चित। बहु उपादीनीय प्रयोग तथा संकरण सुप्त धोत्र संख विधि।

प्रतिचयन विधियाँ :—प्रतिस्थापन युक्त तथा प्रतिस्थापन रहित सरल यादृच्छ प्रतिचयन। सामाक्षण तथा अनुपात प्रावक्कलन। सामूहिक प्रतिचयन, बहुक्रम प्रतिचयन तथा व्यवस्थित प्रतिचयन अप्रतिचयन त्रुटियाँ।

प्रावक्कलन :—मूल संकल्पनाएं। एक अच्छे प्रावक्कलन की विशेषताएं बिन्दु प्रावक्कलन तथा अंतराल प्रावक्कलन। अधिकतम संभावित प्रावक्कलन तथा उनके गुणधर्म।

परिकल्पनाओं के परीक्षण/सांख्यिकीय परिकल्पनाएं :— सरल तथा संयुक्त परिकल्पना। सांख्यिकीय परीक्षण की संकल्पना। त्रुटियों के दो प्रकार। धात फलन। संभावित अनुपात परीक्षण। विश्वास अंतराल प्रावक्कलन। अनुकूलतम विश्वास परिवर्त्तन।

असमष्टीय परीक्षण जैसे—संकेत परीक्षण, मांझिका, परीक्षण तथा चाल परीक्षण। सरल विकल्पना के विपरीत सरल परिकल्पना परीक्षण के लिये बालडंका अनुक्रमिक संभाविकता अनुपात परीक्षण। “ओसो” तथा “ए० एस० एस०” फलन तथा उनके सम्भिक्तन।

सांखिकी II

नोट—इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर विभिन्न प्रश्न पत्र होंगे, अर्थात् (i) औद्योगिक सांखिकी (ii) आर्थिक सांखिकी (iii) शैक्षिक सांखिकी (iv) जनन सांखिकी तथा (v) जन्मविद्या और जन्म मरण सांखिकी।

उम्मीदवारों को उपर्युक्त किन्हीं दो का चुनाव करना होगा, जिसको उन्हें अपने प्रार्थना पत्र में बताना होगा। एक बार प्रश्न पत्र चुनने के बाद परिवर्तन की अनुमति प्राप्त नहीं की जायेगी।

सांखिकीय प्रकार नियन्त्रण सहित औद्योगिक आंकड़े

उद्योग के अंतर्गत प्रकार नियन्त्रण का सदृशातिक आधार। सहस्रों से अधिक प्रकार के नियन्त्रण चार्ट 'एक्स' और 'चार्ट 'सी' और 'चार्ट 'बी' और 'चार्ट 'वार्ड', वर्ग नियन्त्रण चार्ट।

सरकार प्रतिक्रियन। एक पक्षीय, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय, तथा अनुक्रमिक प्रतिक्रियन योजना। 'बी सी' तथा 'ए० एस० एन०' फलत गुणों (Attributes) तथा चरों (Variables) द्वारा प्रतिक्रियन। छोड़ रोमिश तथा अन्य सारणियाँ।

औद्योगिक सम्परीक्षण डिजाइन। उद्योगों में समावयण विधियों का प्रयोग तथा प्रसरण विधियों का विश्लेषण।

उद्योग में एक यातीय कार्यक्रम सहित सांखिकीय अनुसंधान विधियों का प्रयोग।

(ii) अर्थ सांखिकी

मूल्य और परिमाण के सूचकांक/सूचकांकों के विभिन्न प्रकार, जैसे—थोक मूल्यों के सूचकांक तथा जीवन निर्धारण से सूचकांक। सूचकांकों का सिद्धान्त।

आय-वितरण। पैरेटी बक्के तथा अन्य बक्के। एक केन्द्रीय बक्के तथा उनके लाभ।

राष्ट्रीय आय/राष्ट्रीय आय के विभिन्न क्षेत्र। राष्ट्रीय आय के प्रावक्षण की विधियाँ। अंतर्राष्ट्रीय आगम। क्षेत्रीय आय प्रवक्षण वर्ग समस्याएं। अर्न्तरुद्योग सारणी। निविष्ट-निष्ट विश्लेषण तथा एक जातीय कार्यक्रम का प्रयोग।

आर्थिक काल-श्रेणियों का विश्लेषण तथा निर्धारण। आर्थिक काल श्रेणियों के चार संघटक। गुणात्मक तथा संयोज्यात्मक माझल बक्के आसंजन तथा चल माध्यविधि उपनति निर्धारण। स्थित तथा चल सामयिक सूचकांकों का निर्धारण। स्वसह संबंध। आवृत्तिता बक्केविश्लेषण। युद्धचिन्हों का परीक्षण।

उपयोग और मांग का सिद्धान्त, मांग के कार्य, मांग की लोच, काल श्रेणी तथा परिवारिक बजट आंकड़ों द्वारा मांग का सांखिकीय विश्लेषण।

(iii) शैक्षिक आंकड़े मनोविज्ञि सहित

परीक्षण मदों का मापन। विशेष, प्रमाप विशंक, सामान्य विशंक 'टी' तथा 'सी' माप, स्टेनीन मान, शततमक माप।

मानसिक परीक्षण, परीक्षणों की विश्वसनीयता और सुरंगति। विश्वसनीयता की संगणना की विधियाँ विधियाँ। विश्वसनीयता का सूचक। सुरंगति निर्धारण की प्रक्रियाएं। परीक्षण बेटरी के ध्येयता। चाल बनाम धात वरीक्षण।

उपादन विश्लेषण। मद विश्लेषण। अभिरूचि परीक्षणों में सह-संबंध विधियों का उपयोग।

स्मरण तथा विस्मरण का माप, स्मरण, माडल अभिवृति सहा मत का माप। समूह व्यवहार के माप।

(iv) जनन आंकड़े :

आनुवंशिकता का भौतिक आधार। मैन्डल के नियम। लिकेज। पृथक्करण का विश्लेषण। लिकेज की पहचान तथा प्रावस्थान।

बहुजनन आनुवंशिकी। दृश्य विचलन के संघटक। अनु-वंशिकता का प्रावक्षण, चयन। चयन का आधार। प्रजनन परीक्षण। चरित्र समश्रण के लिए चयन।

जनसंस्थाजनन। जनन वारंवारता। अंतःप्रजनन। यावृच्छिक उभागम। लिकेज का विसाम्य।

मावन जनन के तत्व। रक्त बगाँ का अध्ययन। रोग विशेष-ताएं तथा विद्यान।

(v) जनांकिकी तथा जन्म मरण संबंधी आंकड़े

जीवन सारिणी, उसका निर्माण तथा गुण। भेकेहम तथा भोगपत्व वक्त, मृत्यु संख्या की वार्षिक तथा केन्द्रीय दरों की व्युत्स्थिति राष्ट्रीय जीवन सारणियाँ। यू० एन० आदर्श जीवन सारणियाँ। संक्षिप्त जीवन सारणियाँ। स्थिर जन संख्या। स्थावर जनसंख्या

अशोधित प्रजनन दरें, विशिष्ट प्रजनन दरें, कुल और शुद्ध जन्म दरें, परिवार का आकार, अशोधित मृत्यु दरें, बाल मृत्यु दरें। सकारण मृत्यु संख्या, प्रभाणीकृत दरें।

आंतरिक तथा अंतराष्ट्रीय प्रस्तावर्तन, विशुद्ध प्रस्तावर्तन, पिस्ली तथा उन्नत अतिजीविता अनुपात सिद्धान्त।

जनांकिकी संक्षण, जनसंख्या निर्धारण के सामाजिक तथा आर्थिक निर्धारण।

जनसंख्या प्रक्षेप। गणितीय तथा संपठक विधियाँ बृद्धिषात बक्के आसंजन।

भाग—ब

भौतिक परीक्षा :—उम्मीदवारों की भौतिक परीक्षा एक बोर्ड द्वारा ली जायेगी जिसके समक्ष सशस्त्र सेना में उम्मीदवारों की सेवा अवधि सहित उनकी सेवा अवधि का रिकार्ड होगा। भौतिक परीक्षा का उद्देश्य सक्षम और निष्पक्ष परीक्षकों के एक बोर्ड द्वारा उस सेवा अवधा सेवाओं के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता जांचना है जिसके लिए आवेदन पत्र दिया हो। साक्षात्कार का उद्देश्य उम्मीदवार की सामान्य और विशिष्ट योग्यता और क्षमता की जांच करने के लिए लिखित परीक्षा के अनुप्रकृत रूप में है।

उम्मीदवारों से सामान्य रूचि के मामलों और सशस्त्र सेना में उनके अनुभव से संबंधित प्रश्न भी पूछे जायेंगे; मौलिक परीक्षा की तकनीक नितान्त रूप से सीधे सवाल जवाब की नहीं है अपितु स्वाभाविक रूप से एक सोहेय वार्तालाप की है जिसका उद्देश्य समस्याओं के समझने में उम्मीदवार की क्षमता और बौद्धिक उत्सुकता तथा ग्रहण करने में उसकी क्षमता, विचार सन्तुलन, सूक्ष्मज्ञान सामाजिक स्थितियों को समझने की योग्यता सचरित्रता और नेतृत्व जैसे गुणों का पता लगाया जा सके।

परिशिष्ट-3

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौरा :-

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे, उनको नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-1 में परख पर की जायेगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परख की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और अनुदेश तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तरकाल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परख अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है, तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परख अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिये उपयुक्त समझा जाये तो स्थायी पदों में मौलिक रिक्षित्यां उपलब्ध होने पर पक्षा कर दिया जायेगा।

5. भारतीय अधिक सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के निर्धारित वेतन मान निम्नलिखित हैं :—

ग्रेड-1 निदेशक (डाइरेक्टर) ₹० 1300-60-1600-100-1800 ।

ग्रेड-2 संयुक्त निदेशक (ज्वांड डाइरेक्टर) ₹० 1100-50-1400 ।

ग्रेड-3 उपनिदेशक (डिप्टी डाइरेक्टर) ₹० 700-40-1100-50/8-1250 ।

ग्रेड-4 सहायक निदेशक (असिस्टेन्ट डाइरेक्टर) ₹० 400-400-450-30-600-35-670-कु० ए० -35-950 ।

6. सेवा के उच्च पदों में पदोन्नति, प्रत्येक ग्रेड में पदोन्नति के लिये निर्धारित कोटे के अनुसार उम्मीदवारों की प्रवरणता को ध्यान में रखते हुए, योग्यता के आधार पर की जाएगी। ये कोटा ग्रेड-3 के लिये 75 प्रतिशत, ग्रेड-2 के लिये 50 प्रतिशत और ग्रेड-1 के लिये 75 प्रतिशत हैं।

भारतीय अर्थसेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर

कार्य करने के लिये नियुक्त किया जा सकता है, अथवा इनको नियुक्त अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की छुट्टी पैशन और सेवा की शर्तें उसी प्रकार होंगी जो भारत सरकार के मूल नियम (फंड-मेंटल रूल्स) और सिविल सेवा विनियम (सिविल सर्विस रेगुलेशन) में दी गई हैं और जिनमें सरकार द्वारा समय समय पर संशोधन हो सकता है।

8. समय समय पर संशोधित सामान्य भविष्य नियम (केन्द्रीय-सेवाएं) नियम (जनरल प्राविंडेंट फंड-सेन्ट्रल सर्विसेज रूल्स) के अन्तर्गत इस नियम में अभिदान कर सकेंगे।

परिशिष्ट-4

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये दिये जा रहे हैं ताकि वे इस बात का पता लगा सके कि उनका शारीरिक स्वास्थ्य अपेक्षित स्तर का है या नहीं। ये विनियम मैडिकल परीक्षकों के मार्गदर्शन के लिये भी हैं और जो उम्मीदवार इन विनियमों में नियुक्ति की गई न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता, उसको मैडिकल परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु जब मैडिकल बोर्ड की यह राय हो कि उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित स्तर के अनुसार स्वस्थ नहीं है, तो भी मैडिकल बोर्ड की यह अनुमति है कि वह भारत सरकार की विशेष कर लिखे हुए कारणों से सिफारिश कर सकता है कि उसको सरकार को हानि बिना नौकरी में लिया जा सकता है।

परन्तु यह साफ साफ समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार अपने निर्णय से मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रखती है।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिए यह जल्दी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों के आयु कंद और छाती के घेर से परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सब से अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए, यदि वजन, कंद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से नापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उस के पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एडियों के, पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिंडलियां, नितंब और कंधे माप दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर

का स्तर (बटकेस आफ दि हेड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़ी) के नीचे आ जाये। कद सेंटीमीटरों और अधे सेंटीमीटरों में नापा जायेगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति सीधा खड़ा किया जायेगा कि उसके पाव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जायेगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा अंसर्सलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कीणों (इन्फीरियर) एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़ी समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ ठीला लटका रहने दिया जायेगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जाएं जिससे कि फीता न हिले। जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जायेगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गैर से नोट किया जायेगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय एक सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जायेगा। आधे किलोग्राम से कम के फेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा उसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (वैसिक इन्कार्जेशन) मिल जायेगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर निम्नलिखित मानक निर्धारित किया जाता है :—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी आंख/खराब आंख	अच्छी आंख/खराब आंख
संशोधित दृष्टि	संशोधित दृष्टि
6/9 6/9 अथवा	जे I जे II
6/9 6/12	

(घ) आयोगिता के प्रत्येक मामले में, फैलाव परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। व्यधिकृत दशा मौजूद होने पर जो कि बहु सकती है और उम्मीदवार की दक्षता पर प्रभाव डाल सकती है, उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र :—सम्मुखन विधि (कल्पटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी, जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (परामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतोधी (नाइट लाइडनेस) साधारणतया रतोधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और रोटीना के व्यावहारिक रोक के कारण रेटीनोट्स पिगमेन्टोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फैलाव में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है, ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फैलाव खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फैलाव की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है। और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं।

उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अधेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेष तथा जब फैलाव खराब नहीं तो इस्नेक्ट्रो-रेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है।

इन दोनों जांचों में (अधेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिए साधारण वैकल्पिक जांच के लिए तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतोधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर होगा कि पद से संबंध काम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनकी डूर्यूटी किस तरह की होगी।

दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन्स) :—

(i) आंख की उस बीमारी को या बहुती हुई वर्तन वृत्ति (प्रोप्रेसिव रिफेस्टेव ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ii) भैंगापन :—(स्किंट) :—तकनीकी सेवाओं में जहां द्विनेत्री (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी भैंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भैंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख वाले व्यक्ति :—स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड ऐसे एक आंख वाले व्यक्तियों की प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के पदों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है जिसके लिए उसे संतोष है कि वह सब कार्यों को कर सकता है जिस विशेष नौकरी के लिए वह उम्मीदवार है, यद्यपि उसकी काम करने वाली आंख की दृष्टि की पकड़ 6/6 दूर की नजर के लिए और 0.6 नजदीक की नजर के लिए हो और वर्तनवृत्ति (रिफेस्टिव ऐरर) 4.00 डी० से कम या अधिक न हो और काम करने वाली आंख के बुधनों

को सामान्यता प्रकट न करनी चाहिए। डूटिप के स्तर में यह छूट केवल एक आंख वाले व्यक्तियों की अशक्ता को ध्यान में रखते हुए दी जायेगी न कि द्विनेत्रों की नजर वाले व्यक्तियों को।

(भ) कोटेक्ट लैंस (Contact Lenses) —

उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोटेक्ट लैंस के प्रयोग की आशा नहीं होगी आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षर 1.5 पावर्टी (फूल केन्डलस) से प्रकाशित हों।

(7) ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा।

नामूल उच्चतम सिटालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों की औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु सम्मिलित भरें। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से सिस्टासिक प्रेशर को और 90 के ऊपर के डायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध समझ लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य होने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि वह उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट [एक्साइटमेंट] आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या उसका कारण कोई कायिक (आंगिकी) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और विद्युत हुए लेखी (इलेक्ट्रो कार्डियो ग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लोयरेंस) की जांच भी नेमीरूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) सेने का तरीका

नियमतः भारेवाली वाक्मानी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का आला (इस्टूमेंट) ही इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच को रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लेपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने से कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रचंड धमनी (ब्रेकिल आर्टी) को बबा-दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों बीच स्टेस्थेकोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायेगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लूप्त प्रय हो जाय,

वह सायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोम कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाय। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंटेंगम' से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शब्दकर का पता चले तो बोर्ड इस के बूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायाबीटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिता) के सिवाए, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टेंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेह ही (नान-डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेस्सिन के किसी ऐसे निकिट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैडर्ड ब्लड शूगर टालरेंस ईस्ट सभेत जो भी निकले या लेवोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट' या 'अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. जो स्त्री उम्मीदवार जानें के फलस्वरूप 12 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवति पाई जाए उसे तब तक कि लिए अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाए जब तक इसकी गर्भावस्था समाप्त न हो जाए। गर्भविस्था के समाप्त होने के 6 सप्ताह बाद यदि वह पंजीकृत चिकित्सक के स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दे तो आरोग्य प्रमाण पत्र के लिए उस की फिर से जांच की जाए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया, आपरेशन या हिपरिंग एड के इस्तेमाल से हो तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हक्काता है या नहीं।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।

(घ) उसकी छाती की ब्रानावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेपड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रप्चर (हार्निया या फटन) है या नहीं ।
 (छ) उसे हाश्विसील, बढ़ी हुई बेरिकोसील बेरिकोज शिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं ।
 (ज) उस की शाखाओं, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और सभी संधियों भली भाँति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।
 (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।
 (ञ) उसे कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
 (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे ।
 (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
 (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और केफड़ों को किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो सभी मामलों (केसेज) में नेमी रूप से छाती की पटेक्षण (सक्रीनिंग) की जानी चाहिए, जहां आवश्यक समझा जाय, एक छायाचित्र (स्क्राय प्राम) लिया जाना चाहिए,

जब कोई दोष मिले तो इसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12. जहां तक भिनी जुली प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवारों का संबंध है, उनके लिए ऊपर पैरा 11 के नीचे की टिप्पणी में बताई गई अपील करने की कार्यविधि लागू नहीं होती । इस परीक्षा के उम्मीदवारों को अपील की शुल्क 50 रुपये भारत सरकार के इस संबंध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है । यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा आरोग्य घोषित किए जाएंगे । शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त करली जाएगी । यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीलें पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिली में ही होगी और उसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा । दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली याकाओं के लिए कोई यान्त्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा । अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए गृह मंत्रालय द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायगी ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शक के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार को आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जायगा जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) हो, यह तसल्ली नहीं होगी कि

उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (ब्रूफिल्डी इनफार्मिटी) नहीं जिसे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या, उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है । साथ ही यह भी नोट किया जायेगा कि यहां प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में ही दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

बोर्ड में साधारणतया तीन सदस्य होंगे (i) एक चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक । ये सभी यथा सम्भव साध्य समान स्तर के होने चाहिए । महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी महिला चिकित्सक (लेडी डाक्टर) को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जायेगा ।

भारतीय आर्थिक सेवा (इंडियन इकानोमिक सर्विस) भारतीय सांस्कृतिकीय सेवा (इंडियन स्टेटस्टीकल सर्विस) में नियुक्ति किये गये उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर थेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी । इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के बारे में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है या नहीं ।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकार सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता ।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आश्य का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए । नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई अपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो एक दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित पदाधिकारी स्वतन्त्र हैं ।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी रूप से अयोग्य करार दिया जाय तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 3 महीने से कम नहीं होनी चाहिए । निश्चित अवधि के बावजूद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित कर नियुक्ति के लिए उसकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए ।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डेक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए :

1. अपना पूरा नाम लिखें :

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएँ :

2. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जाति आदि से संबंधित हैं जिनका औसत कद दूसरों से छोटा होता है। 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर हाँ में है तो उस जाति का नाम बताएँ।

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरा हैं :

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण

आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आपके कितने भायों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इससे पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' हो तो बताएँ किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर—

3. (क) क्या आप को कभी चेचक, रूक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लेड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून जाना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शम्पा पर लेटे रहना पड़ता हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आप को चेचक आदि का अंतिम टीका कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक कार्य या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वेसनैस) हुई है ?

नोट: उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो आर्धवय निवृत्ति भत्ता (सुपरएन्युएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेचुटी) के सभी दायरों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) — की शारीरिक परीक्षा की।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

सामान्य विकास : अच्छा साधारण निम्न

घोषणा : पतला औंसत मोटा कद (जूते उतार कर) वजन अत्युत्तम वजन कब था ? वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तोपमान—

छाती को पैर :

(1) पूरा सांस खीचने पर	—
(2) पूरा सांस निकालने पर	—
2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी	—
3. नेत्र :	—
(1) कोई बीमारी	—
(2) रत्नेधी	—
(3) कलर विज्ञन का दोष	—
(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विज्ञन)	—
(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्जिटी)	—

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर

गोल सिति० अक्ष

दूर की नज़र दा० न०
बा० न०

पास की नज़र दा० न०
बा० न०

4. कान : निरीक्षण — सुनना :
दायां कान — बायां कान —
5. गंधियां — थाहराइड —
6. दातों की हालत —
7. श्वसन तंत्र (रेस्मिरेटरि सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पूरा व्यौरा है ।
8. परिसंचय रण (सक्युलेटी सिस्टम)
 - (क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (वार्गानिक लोज़न)
 - गति (रेट) :
खड़े होने पर :
25 बार कुदाए जाने के बाद —
कुदाये जाने के दो मिनट बाद —
 - (ख) ब्लड प्रेशर — सिस्टालिक — डियस्थालिक

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-1, the 21st November 1970

RESOLUTION

No. F. 1-14/69-SW3.—In partial modification of the Department of Social Welfare Resolution No. F.1-16/69-SW3, dated the 22nd April 1969, constituting the General Body of the Central Social Welfare Board (Company), the Government of India are pleased to appoint Shri B. N. Maheshwari, Joint Secretary in the Ministry of Finance as a member in the General Body of the Central Social Welfare Board (Company), with effect from 2-12-1969 in the vacancy caused on transfer of Shri A. P. V. Krishnan, Joint Secretary from the Associate Finance of the Department of Social Welfare.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All the members of the CSWB.

9. उदर (पेट) : घेर — दाव वेदना (टेडरनेस्ट्र)
- हानियां —
- (क) दबाकर मालूम पड़ना, जिगर — तितली — गुड़ — ट्यूमर —
- (ख) बवासीर के मस्ते — फिस्कुला —
10. तांत्रि तंत्र : (नर्वस सिस्टम) तांत्रि या मानसिक अणवतता का संकेत —
11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) कोई विलक्षणता —
12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी भिस्टम) हाईड्रोसील, बेरिकोसील आदि का कोई संकेत मूत्र परीक्षा
(क) कैसा दिखाई पड़ता है ।
(ख) स्पेसिक ग्रेविटी (अवैधित गुरुत्व)
- (ग) इल्युमन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट (सेल्म)

13. छाती का पटेशन (स्ट्रीनिंग) एकम-रे परीक्षा की रिपोर्ट ।
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा को दक्षता पूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है जिसके लिए यह उम्मीदवार है ?
15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ।
(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए अयोग्य है ।

नोट : बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :
(i) योग्य (फिट)
(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण —
(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण —

स्थान —	अध्यक्ष —
तारीख —	सदस्य —
	सदस्य —

2. All State Governments/Union Territories.
3. All Ministries/Departments of Government of India.
4. President's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Sectt./P.M.'s Sectt.
8. Press Information Bureau.
9. Accountant General, Central Revenue, New Delhi.
10. Department of Company Affairs.
11. Registrar of Companies, New Delhi.
12. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
13. Secretary, CSWB, New Delhi (50 spare copies).
14. All Chairmen, State Social Welfare Advisory Boards.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RESOLUTION

No. F. 22/22/69-SW.5.—In modification of this Department earlier Resolution No. F. 5/2/67-Proh. Cell (SW.5), dated the 17th September, 1968 constituting the Central Prohibition Committee, the Government of India have now decided to reconstitute this Committee with Minister of Law and Social Welfare as Chairman and Minister of State for Law and Social Welfare as Vice-Chairman. The composition of the Committee shall be as follows:—

Chairman

1. Minister of Law and Social Welfare.

Vice-Chairman

2. Minister of State for Law and Social Welfare.

Members

3. Minister Incharge of Prohibition, Andhra Pradesh, Hyderabad.
4. Minister Incharge of Prohibition, Assam, Shillong.
5. Minister Incharge of Prohibition, Bihar, Patna.
6. Minister Incharge of Prohibition, Gujarat, Gandhinagar.
7. Minister Incharge of Prohibition, Haryana, Chandigarh.
8. Minister Incharge of Prohibition, Jammu and Kashmir Srinagar.
9. Minister Incharge of Prohibition, Kerala, Trivandrum.
10. Minister Incharge of Prohibition, Madhya Pradesh, Bhopal.
11. Minister incharge of Prohibition, Maharashtra, Bombay.
12. Minister incharge of Prohibition, Mysore, Bangalore.
13. Minister incharge of Prohibition, Nagaland, Kohima.
14. Minister incharge of Prohibition, Orissa, Bhubaneswar.
15. Minister incharge of Prohibition, Punjab, Chandigarh.
16. Minister incharge of Prohibition, Rajasthan, Jaipur.
17. Minister incharge of Prohibition, Tamil Nadu, Madras.
18. Minister incharge of Prohibition, Uttar Pradesh, Lucknow.
19. Secretary incharge of Prohibition, West Bengal, Calcutta.
20. }
21. } Three nominees from Union Territories by rotation.
22. }
23. Shri T. Sidalingiah, Ex. M.P., 34-Langford Road, Bangalore.
24. Shri Jaglal Choudhary, Deputy Chairman Bihar Nashabandi Parishad Kadamkuan, Patna.
25. Shri Manubhai M. Patel, Secretary, Nashabandi Mandal, Gujarat, Jamshedji Mansion, Ahmedabad.
26. Shri P. G. Karuthiruman, M.L.A., Leader of the Opposition in Tamil Nadu Legislative Assembly.
27. Shri Tek Chand, House No. 32, Sector IV, Chandigarh.

Functions

- (1) To undertake periodical reviews of prohibition policy and progress of prohibition in different States;
- (2) To study difficulties that may be encountered by the States in implementing the policy of prohibition and to recommend suitable measures to overcome such difficulties;
- (3) To suggest ways and means to intensify propaganda in favour of prohibition both in areas already coming under prohibition and areas which do not;
- (4) To promote scientific research and statistical studies in respect of the economic and social implications of prohibition and alcoholism in particular in respect of subjects such as:—

- (i) alternative economic uses of raw material now utilised in the production of alcoholic beverages and intoxicants;
- (ii) rehabilitation of families whose existing avenues of employment may disappear consequent upon introduction of prohibition; and
- (5) To recommend suitable measures to encourage and assist official and non-official agencies devoted to:—
 - (i) prohibition and temperance propaganda;
 - (ii) care and rehabilitation of alcoholic and drink addicts; and
 - (iii) scientific research in respect of problems associated with prohibition.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the Members of the Committee; all the Ministries of the Government of India; the Planning Commission; the Cabinet Secretariat; the Prime Minister's Secretariat; the Lok Sabha Secretariat; the Rajya Sabha Secretariat; the Department of Parliamentary Affairs, the All India Prohibition Council and the Chief Secretaries of all the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. S. N. SWAMI for Secy.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

Iron Ore Export (Project) Committee

RESOLUTION

New Delhi, the 30th November 1970

No. 15/66/64-68/M&F.—In further modification of Government of India Resolution No. 15/49/64-M&F, dated 3-10-1964 as amended by Resolutions No. 15/66/64-M&F, dated 15-2-1965, 19-10-1965, 11-4-1967, 12-5-1967, 28-9-1968, 7-4-1969 and 30-6-1969, Government of India have decided that the Para 3 of the resolution regarding constitution of the above-mentioned Committee may be amended as follows:—

“3. CONSTITUTION

The Constitution of the Committee will be as under:—

Chairman

1. Chairman, Minerals & Metals Trading Corporation of India Ltd.

Members

2. Chairman, National Minerals Development Corporation Ltd.
3. Adviser (Industry and Minerals) Planning Commission.
4. Joint Secretary concerned with development of iron ore mines—Department of Mines and Metals.
5. Joint Secretary (Port and Transport) Department of Shipping and Transport.
6. Joint Secretary concerned with H.E.C.; M.A.M.C. and other Heavy Engineering Projects Ministry of Steel & Heavy Engineering.
7. Joint Secretary/Director concerned with iron ore exports, Ministry of Foreign Trade.
8. Director (Transport)—Railway Board.
9. Director (Planning)—Railway Board.
10. Deputy Secretary (Plan Finance)—Ministry of Finance (Department of Expenditure).

Member-Secretary

11. Director concerned with exports of iron ore—Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd.”

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

A. K. MUKHERJEE, Director

RESOLUTION

New Delhi, the 10th December 1970

No. F. 14(9)-Plant(A)/66.—With a view to ensuring that the Pathinit Tea Estate, which has been purchased by the Government of India and which is continued to be managed on their behalf by M/s Octavious Steel & Co. Ltd., Calcutta is run on proper lines, the Government of India have decided to reconstitute the Advisory Board set up in this Ministry's Resolution No. 14(9)-Plant(A)/66, dated the 13th March, 1969 to advise Government on all matters relating to the management and operation of the Tea Estate.

2. The reconstituted Board consist of the following Members :—

Chairman

(i) Shri B. R. Vohra, Chairman, Tea Board, 14, Brabourne Road, Calcutta-1.

Members

- (ii) Shri P. K. Kanoria, Member, Tea Board, Calcutta-1.
- (iii) Shri C. Venkateraman, Director, Ministry of Finance (F. T. Division).
- (iv) Shri N. N. Malhan, Deputy Director, Ministry of Foreign Trade.
- (v) Mr. J. C. Crawford, Managing Director, M/s. Octavious Steel & Co. Ltd., Calcutta.

Member-Convenor

3. The Managing Agents M/s Octavious Steel & Co. Ltd., Calcutta will place all policy matters relating to the management of the Estate before the Board who will consider such matters and advise Government thereon.

4. The Board shall be constituted for a period up to 31st March, 1971 and will normally meet at Calcutta.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. N. DANDONA, Dy. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Mines and Metals)

New Delhi, the 19th December 1970

No. 12(12)/70-MVI.—In partial modification of this Ministry's Notification No. 13(19)/63-MIV, dated the 21st May, 1965, as amended from time to time, it has been decided that the Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals) will be the Vice-Chairman of the Mineral Advisory Board.

K. S. RAMACHANDRAN, Jt. Secy.

New Delhi, the 19th December 1970

No. CII-7(2)/70.—In partial modification of this Ministry's Notification of even number dated the 28th November, 1970, it has been decided that the Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals) will be the Vice-Chairman of the Coal Advisory Council.

G. RAMASWAMY, Director

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 21st December 1970

No. 22-31/70-FD.—In partial modification of this Ministry's Notification No. 26-26/66-FD, dated 7-10-1968, the Government of India have decided to reconstitute the Delhi Zoological Park Council referred to in para 4 of their Resolution No. 5-21/59-F.II, dated the 22nd November, 1960, as amended from time to time, as under :—

Chairman

1. Minister for Food & Agriculture.

Pro-chairman

2. Minister of State in the Ministry of Food & Agriculture.

3. Deputy Minister (C.D.).

Vice-Chairman

4. Secretary, Department of Agriculture.

Official Members

5. Inspector General of Forests.

6. Financial Adviser attached to the Ministry of Food Agriculture.

7. Animal Husbandry Commissioner to the Government of India.

8. Director, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar.

9. Chief Engineer, C.P.W.D.

10. Commissioner, Municipal Corporation of Delhi.

11. Director, Delhi Zoological Park.

Non-official members

12. Member of Parliament, Lok Sabha.

13. Member of Parliament, Lok Sabha.

14. Member of Parliament, Rajya Sabha.

15. Eminent Publicmen/Naturalists.

16. Eminent Publicmen/Naturalists.

17. Eminent Publicmen/Naturalists.

18. Eminent Publicmen/Naturalists.

Member-Secretary

19. Under Secretary (F), Department of Agriculture.

R. C. SONI, Inspector General of Forests &
Ex-officio Additional Secretary

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 22nd December 1970

No. 13-PG(54)/70.—The Government of India have received the Administration Report of the Port of Madras for the year 1969-70. The following are the salient features of the Report :—

1. FINANCIAL POSITION :

The actual net revenue receipts of the Port Trust for the year under review amounted to Rs. 939.89 lakhs as against Rs. 823.00 lakhs in the previous year, resulting in an increase of Rs. 116.89 lakhs.

The net expenditure for the year, including debt charges, amounted to Rs. 883.89 lakhs as against 689.82 lakhs during the previous year. The figures exclude a contribution of Rs. 1 crore to Capital Account.

Excluding a contribution of Rs. 1 crore to capital, the net result of working during the year was a surplus of Rs. 56.00 lakhs, after providing a sum of Rs. 102.50 lakhs towards the payment of arrears of salaries and wages payable to staff for the period 1st January 1969 to 31st March, 1970 including the *ex-gratia* payments, consequent on the implementation of the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock Workers.

During the year under review, the Port Trust contributed, a sum of Rs. 100 lakhs to General Reserve Fund for Capital Works, Rs. 15.00 lakhs to the Pension Fund, Rs. 2 lakhs to the General Insurance Fund and Rs. 0.80 lakh to Employees Welfare Fund.

Although according to the revised accounting procedure, separate balance sheet and revenue accounts for Pilotage have been done away with, a proforma Pilotage Account has been prepared. The result of the working of Pilotage shows a surplus of Rs. 3,98,701 as against the surplus of Rs. 9,18,443 during the previous year, the reason being that proportionate management and general expenditure has been debited to the Pilotage Account this year, which was not done before.

The balances in the General Reserve Fund and the General Insurance Fund at the end of the year amounted to Rs. 403.21 lakhs as against Rs. 467.20 lakhs during the previous year.

Outstanding Loans :

The total amount of Government of India loans outstanding at the end of the year was Rs. 14.99 crores, while the amount of loan outstanding from I.B.R.D. in rupees was 4.66 crores. Against the loan taken from Dutch financiers, a sum of Rs. 1.69 crores was outstanding as on 31st March, 1970.

2. TRAFFIC

The total traffic handled (including transhipment tonnage of food-grains) was 6,632,420 tonnes during 1969-70 as compared to 6,025,547 tonnes in 1968-69. The figures of imports and exports which passed through the port during the year were 3,535,771 and 2,904,372 tonnes, respectively. The corresponding figures of imports and exports for the previous year were 3,021,836 tonnes and 2,356,170, respectively.

The total volume of coastal trade for the year 1969-70 was 872,960 tonnes as against 937,754 tonnes in the previous year. Foreign trade was 5,567,183 tonnes in 1969-70 and 4,440,232 tonnes in 1968-69.

The Port Trust Railway handled a traffic of 3,230,117 tonnes as against 3,244,009 tonnes in 1968-69.

3. SHIPPING

The number of ships, excluding sailing vessels, that entered the port during the year was 1070 as against 1114 in the previous year. The net tonnage was 5,371,016 as against 5,286,256 during the previous year.

4. LABOUR

The labour situation during the year was generally satisfactory. Labour Welfare measures continued to receive special attention.

5. WORKS

The total capital expenditure during the year was Rs. 5.77 crores. Some of the important works completed during the year or in progress are mentioned below:—

Works completed :

(i) Construction of New Workshop stage II.

(ii) Ancillary works to New Workshop.

Works in progress :

(i) Capital Dredging under oil Docks scheme.

(ii) Tanker loading facilities for refined product lines.

(iii) Construction of an oil Dock and Capital Dredging under Oil Dock Scheme.

(iv) Stage II—Casting of blocks and tetrapods for the protection of Caissons at Outer Dock.

6. ACKNOWLEDGEMENT

The Government view with satisfaction the work done by the Madras Port Trust during the year under review.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. NARAYANAN, Jr. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

Department of Labour and Employment

(Directorate General of Employment and Training)

RESOLUTION

New Delhi, the 19th December 1970

No. MP-10(110)/69.—The problem of unemployment and under-employment in the country, in the rural and urban areas, has been a cause of serious concern to the Government in recent years. The emergence of considerable surpluses among the educated persons in general and technically qualified persons such as engineers and technicians in particular, has added a new dimension to the problem. The Government have now decided to set up a Committee to assess the extent of unemployment and under-employment and to suggest suitable remedial measures. The Committee will have the following composition :

Chairman

Shri B. Bhagavati, M.L.A., Assam.

Members

1. Shri Jyotirmoy Bosu, Member, Lok Sabha.
2. Shri M. Anandam, Member, Rajya Sabha.
3. Shri V. L. Gidwani, Employment Commissioner, Cabinet Secretariat (Department of Cabinet Affairs).
4. Shri J. C. Mathur, Additional Secretary, Department of Agriculture.
5. Shri K. Balachandran, Additional Secretary, Department of Industrial Development.
6. Dr. Ashok Mitra, Chief Economic Adviser, Department of Economic Affairs.
7. Shri D. N. Banerjee, Special Officer & *Ex-Officio* Secretary, Home Department, Government of West Bengal.
8. Shri N. Sundaram, Development Commissioner, Government of Madhya Pradesh.
9. Dr. Gautam Mathur, Professor, Osmania University.

Member-Secretary

10. Shri N. S. Pandey, I.A.S.

The following will be the terms of reference of the Committee :—

- (i) To assess the extent of unemployment and under-employment in all its aspects, taking into account the recommendations made by the Committee of Experts on Unemployment Estimates set up by the Planning Commission under the Chairmanship of Prof. M. L. Dantwala.
- (ii) To recommend the directions in which the programmes included in the Fourth Five-Year Plan could be made more employment oriented in their implementation, with due regard to their timely execution, economy and productivity and to the requirements of rapid economic development.
- (iii) To suggest suitable strategies for employment generation, both short-term and long-term, including technical, financial and fiscal measures, in respect of different sectors of the economy, taking into account the mobility of labour and the openings for employment and self-employment in the tertiary sector as a result of implementation of Plan programmes and various measures initiated by the Government for activating the economy.
- (iv) To suggest specific programmes for promoting productive employment and self-employment of the educated unemployed in general and the unemployed technical personnel such as engineers, technicians, etc. in particular and to suggest measures to rectify the imbalance between the out-turn of educated and technical persons on the one hand and the available employment opportunities on the other.
- (v) To suggest a suitable machinery at the Centre and State level for a continuous appraisal of the changing employment and manpower situation and assessment of long-term demand and supply.
3. The Committee is requested to submit its report within a period of one year.
4. The Committee will devise its own procedure. It may call for such information and take such evidence as it may consider necessary. The Ministries/Departments of Government of India will furnish such information and documents and render such assistance as may be required by the Committee.
5. The Government of India trust that the State Governments/Administrations of Union Territories, public and private sector undertakings, organisations of employers and workers and all other concerned organisations will extend to the Committee their full cooperation and assistance.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1,

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Department of the Government of India, State/Governments/Administrations of Union Territories and all others concerned.

I. D. N. SAHI, Addl. Secy.

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personnel)

RULES

New Delhi, the 9th January 1971

No. 32/20/70-Estt(E).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in June 1971, for selection of Released Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, for the purpose of filling vacancies reserved for them in Grade IV of the following services are published for general information in pursuance of the provisions contained in rule 5 of the Released Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers (Reservation of Vacancies) Rules, 1967. The Released Emergency Commissioned and Short Service Commissioned Officers (Reservation of Vacancies) Rules, 1967 shall cease to be in force on and from the 29th January, 1971, unless extended by Government.

- (i) The Indian Economic Service; and
- (ii) The Indian Statistical Service

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Subject to the provisions of these Rules, all Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, and who have been released prior to the date of this notification, or are due to be released thereafter till the end of 1971, will be eligible to appear at this examination.

NOTE 1.—For the purpose of these Rules, 'release' means :

- (i) release as per the scheduled year of release;
- (ii) invalidment owing to a disability attributable to or aggravated by military service.

from the Armed Forces after a spell of service, and *not* during or at the end of training, or during or at the end of Short Service Commission granted to cover the period of such training prior to being taken in actual service, nor does it cover cases of officers released on account of misconduct, or inefficiency or at their own request.

NOTE 2.—The expression "scheduled year of release" means :—

(i) in so far as it relates to the Emergency Commissioned Officers the year in which they are due for released in accordance with the phased programme approved by the Government of India in the Ministry of Defence; and

(ii) in so far as it relates to the Short Service Commissioned Officers, the year in which their normal tenure of 5 years as Short Service Commissioned Officers is to expire.

NOTE 3.—The candidature of a person is liable to be cancelled, if after submitting his application, he is granted permanent Commission in the Armed Forces, or he resigns from the Armed Forces, or he is released therefrom on account of misconduct, inefficiency or at his own request.

NOTE 4.—Engineers and Doctors employed under the Central Government or State Governments or Government owned industrial undertakings who are required to serve in the Armed Forces for a minimum prescribed period under the Compulsory Liability Scheme and who are granted Short Service Commission under the relevant rules during the period of such service will not be eligible for admission to this examination.

NOTE 5.—Officers belonging to the Volunteer Reserve Forces of the Armed Forces and called upon for temporary service will not be eligible for admission to this examination.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon, and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-enters or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950 will however require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

6. (a) A candidate must *not* have attained the age of 26 years on the 1st January of the year in which he joined the pre-commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post Commission training).

(b) The age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January 1964;

- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, is a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xiv) up to a maximum of four years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is a resident of the Andaman and Nicobar Islands; and
- (xv) up to a maximum of three years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is an Indian citizen and is a repatriate from Ceylon.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED**

7. No candidate shall be permitted to compete more than two times at the examination.

NOTE.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in *any one or more subjects*.

8. (a) A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economic or Statistics as a subject from any of the Universities enumerated in Appendix I.

(b) A candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any of the Universities enumera-

ted in Appendix I or possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. A candidate serving in the Armed Forces must submit his application for this examination to the Officer Commanding his unit who will forward it to the Union Public Service Commission. *A candidate who is himself the Officer Commanding his Unit must submit his application through his next superior officer.*

All other candidates in Government Service must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

13. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates and

(ii) by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in Service under Government.

14. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for the *viva voce*.

15. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for any Service, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, as the case may be, in that Service.

16. If on the result of the examination, a sufficient number of qualified candidates is not available to fill the vacancies reserved for released Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government in this behalf.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. In the case of candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

21. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

22. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

M. R. BHARDWAJ,
Under Secretary

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India
(vide Rule 8)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.
The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The Dacca University.

The University of Sind.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination for the Indian Statistical Service only *vide* Rule 8(b)].

- (i) Statisticians Diploma of the Indian Statistical Institute, Calcutta.
- (ii) Professional Statisticians Certificate of the Institute of Agricultural Research Statistics, ICAR, New Delhi.

APPENDIX II

SECTION I

Plan of the Examination

The competitive examination comprises :

- (a) Written examination in subjects as set out in Sub-Sections (A) and (B) respectively of Section II below carrying a maximum of 700 marks.
- (b) *Viva Voce* for such of the candidates as may be called by the Commission carrying a maximum of 450 marks, of which 50 marks shall be assigned to the Evaluation of the Record of Service in the Armed Forces.

SECTION II

Examination Subjects

(A) The Indian Economic Service

	Maximum Marks
(1) General English	.. 150
(2) General Knowledge	.. 150
(3) Economics I	.. 200
(4) Economics II	.. 200

(B) The Indian Statistical Service

	Maximum Marks
(1) General English	.. 150
(2) General Knowledge	.. 150
(3) Statistics I	.. 200
(4) Statistics II	.. 200

*In this subject, there will be separate papers on each of the following five branches, *viz.*, (i) Industrial Statistics, (ii) Economics Statistics, (iii) Educational Statistics, (iv) Genetical Statistics and (v) Demography and Vital Statistics, of which a candidate is required to choose any two. Each paper will carry a maximum of 100 marks.

Note.—The standard and syllabi of the subjects mentioned in this Section are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. There will be one paper of three hours duration in each of the subjects referred to in Section II above, except in the subject Statistics II. In Statistics II, there will be five papers, each of 1½ hours' duration vide Note under this subject at item 6 of Part A of the Schedule to this Appendix.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Economic Service, the papers in the following subjects, *viz.*, General English and General Knowledge, of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following subjects, *viz.*, Economics I and Economics II.

For the Indian Statistical Service, the papers in the following subjects, *viz.*, General English and General Knowledge, of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following otherwise accruing to him.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in English and General Knowledge will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

1. General English—

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

2. General Knowledge—

The paper will consist of two parts :

In the first part candidates will be required to answer questions designed to test their knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. Questions may also be set on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

In the second part candidates will be required to answer questions designed to test their ability to deal with facts and figures and to make logical deductions therefrom, their capacity to perceive implications, and their ability to distinguish between the important and the less important.

3. Economics I—

Scope and methodology.

Equilibrium analysis.

Theory of consumers' demand. Indifference curve analysis. Revealed preference approach. Consumers' surplus.

Theory of production. Factors of production. Production functions. Laws of returns, Equilibrium of the firm and the industry.

Pricing under various forms of market organisation. Pricing in a socialist economy. Pricing in a mixed economy.

Public utilities : economic characteristics of public utilities; price determination in public utilities; regulation of public utilities.

Theory of distribution. Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macrodistribution theory. Share of wages in national income. Profits and economic progress. Inequalities in income distribution.

Theory of employment and output—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

Economic fluctuations. Theories of business cycle. Fiscal and monetary policies for control of business cycles.

Welfare economics: scope of welfare economics; classical and neo-classical approaches; New welfare economics and the compensation principles; optimum conditions; policy implications.

4. Economics II—

Concept of economic growth and its measurement.

Social accounts; national income accounts; flow of funds accounts; input-output accounting.

Social institutions and economic growth. Characteristics and problems of developing economics.

Population growth and economic development.

Theories of growth. Growth models.

Planning—Concept and methods. Planning under Capitalist and Socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective Planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques; Cost-benefit analysis. Planning models.

Planning in India. Evolution of Planning. Five Year Plans. Objectives and techniques. Problems of resource mobilization, administration and public co-operation. Role of monetary and fiscal policies; price policy, controls and market mechanism. Trade policy and Balance of payments. Role of public enterprises.

5. Statistics I—

Different types of numerical approximations; finite differences, standard interpolation formulae and their accuracies; inverse interpolation. Numerical methods of differentiation and integration.

Definition of probability. Classical approach, axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Conditional probability. Independent events. Baye's formula. Random variables : probability distributions; Mathematical expectation. Moment generating functions and characteristic functions. Inversion theorem. Chebychev's inequality. Conditional distributions. Laws of large numbers and central limit theorems.

Standard distributions : Binomial, Poisson, Normal Rectangular, Exponential, Negative binomial, Hypergeometric, Cauchy, Laplace, Beta and Gamma distributions. Bivariate and Multivariate normal distributions.

Large and small sample theory : Asymptotic sampling distributions and large sample tests. Standard sampling distributions such as t , x^2 , F , and tests of significance based on them. Association and analysis of contingency tables.

Correlation coefficient and its distribution; Fisher's 'Z' transformation. Regression : linear and polynomial; multiple regression—partial and multiple correlation coefficients including their distributions in null cases. Intra class correlation. Curve fitting and orthogonal polynomials.

Analysis of variance. Theory of linear estimation. Two-way classification with interaction. Analysis of covariance. Basic principles of design of experiments. Layout and analysis of common designs such as randomised blocks, Latin square. Factorial experiments and confounding. Missing plot techniques.

Sampling techniques : Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling. Ratio and regression estimates. Cluster sampling, multistage sampling and systematic sampling. Non-sampling errors.

Estimation : Basic concepts. Characteristics of a good estimate. Point and interval estimates. Maximum likelihood estimates and their properties.

Tests of hypotheses. Statistical hypotheses : Simple and composite. Concept of a statistical test. Two kinds of error. Power function. Likelihood ratio tests. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Common non-parametric tests such as sign test, median test and run test. Wald's sequential probability ratio test for testing a simple hypothesis against a simple alternative. OC & ASN functions and their approximations.

6. Statistics II—

NOTE :—In this subject there will be separate papers on each of the following five branches, viz. (i) Industrial Statistics, (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics, (iv) Genetical Statistics, and (v) Demography and Vital Statistics.

Candidates are required to choose any two of the above papers, which they must indicate in their applications. No change in the selection of papers once made will be allowed.

(i) *Industrial Statistics (including Statistical Quality Control)*.

Theoretical basis of quality control in industry. Tolerance limits. Different kinds of control charts—X, R charts, p and c charts, group control charts.

Acceptance sampling. Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Sampling by attributes and by variables. Use of Dodge-Roming and other tables.

Design of industrial experimentation. Use of regression techniques and analysis of variance techniques in industry.

Applications of Operational research techniques including linear programming in industry.

(ii) *Economic Statistics*

Index numbers of prices and quantities. Different types of index numbers, e.g., index numbers of whole-sale prices and cost of living index numbers. Theory of index numbers.

Income distributions. Pareto and other curves. Concentration curves and their uses.

National Income. Different sectors of national income. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Problems of regional income estimates. Inter-industry table. Applications of input-output analysis and linear programming.

Analysis and interpretation of economic time series. The four components of an economic time series. Multiplicative and additive models. Trend determination by curve fitting and by moving average method. Determination of constant and moving seasonal indices. Auto-correlation, periodogram analysis, tests of randomness.

Theory of consumption and demand, demand function. elasticities of demand, statistical analysis of demand with the help of time series and family budget data.

(iii) *Educational Statistics (including Psychometry)*

Scaling of test items. Scores, standard scores, normal scores. T and C scales, stanine scale, percentile scale.

Mental tests. Reliability and validity of tests. Different methods for computing reliability. Index of reliability. Procedure for determining validity. Validation of a test battery. Speed versus power tests.

Factor Analysis. Item analysis. Use of correlation methods in aptitude tests.

Measurement of learning and forgetting. Learning models. Attitude and opinion measurement. Measurements of group behaviour.

(iv) *Genetical Statistics*

Physical basis of heredity. Mendel's laws. Linkage. Analysis of segregation, detection and estimation of linkage.

Polygenic inheritance. Components of phenotypic variation. Estimation of heritability. Selection. Basis of selection. Progeny testing. Selection for combination of characters.

Population genetics. Gene frequency. Inbreeding. Random mating, Linkage disequilibrium.

Elements of human genetics. Study of blood groups, disease traits and aberrations.

(v) *Demography and Vital Statistics*

The life table; its construction and properties; Makeham's and Gompertz curves. Derivation of annual and central rates of mortality. National life tables. U.N. model life tables. Abridged life tables. Stable population. Stationary population.

Crude fertility rates, specific fertility rates, gross and net reproduction rates; family size; crude mortality rate, infant mortality rates; Mortality by cause of death; Standardised rates.

Internal and international migration; net migration; backward and forward survivorship ratio methods.

Demographic transition; Social and economic determinants of population.

Population projections. Mathematical and Component methods. Logistic curve fitting.

PART 'B'

Viva voce : The candidates will be examined by a Board who will have before them a record of the career of each candidate, including service in the Armed Forces. The object of the *Viva Voce* is to assess, the suitability of the candidate for the Service or Services for which he has applied, by a Board of competent and unbiased observers. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will also be asked questions on matters of general interest as also on his experience in the Armed Forces.

The technique of the *Viva Voce* is not that of a strict cross examination, but of a natural though directed and purposeful conversation, which is intended to reveal the candidate's grasp of problems and his mental qualities, e.g., intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind; the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Grade I—Director Rs. 1300—60—1600—100—1800.

Grade II—Joint Director Rs. 1100—50—1400.

Grade III—Deputy Director Rs. 700—40—1100—50/2—1250.

Grade IV—Assistant Director Rs. 400—400—450—30—

600—35—670—EB—35—950.

Promotions to the higher grades of the Service will be made on the basis of merit with due regard to seniority in accordance with the quota of vacancies set aside for promotion for each grade *viz.*, 75% for Grade III, 50% for Grade II and 75% for Grade I.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officers of the two Services are the same as those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations of Government of India respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirement prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other side of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements fractions of less than a centimetre should not be noted.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eyesight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

		Distant vision		Near vision	
		Better eye (Correct vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
		6/9 or 6/9		6/12 J. I	J. I

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness; (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vit. A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fail in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time consuming and require specialized set up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular conditions other than visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard, should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye.*—The Medical Board may recommend one eyed persons for appointment to Class I and Class II posts if it is satisfied that he can perform all the functions for the particular job for which he is a candidate provided that the visual acuity in the functioning eye is 6/6 for distant vision and 0.6 for near vision and the refractive error is not more than plus or minus 4.00 D and the fundus of the functioning eye should reveal no abnormality. This relaxation in visual standards will be applicable to only one-eyed persons in view of their disability and not to persons with binocular vision.

(h) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from cloths to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined

by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he has no progressive disease in the ear.

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocoele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Screening of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination, where it is considered necessary, a skiagram should be taken.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Department of Personnel on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on

account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members, (i) a physician, (ii) a Surgeon, and (iii) an Ophthalmologist, all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate, the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated in the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes', state the name of the race
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis
- Or
- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work of any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living	State of health	Father's age and cause of death	Living, their ages and state of health	No. of brothers	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
------------------------	-----------------	---------------------------------	--	-----------------	--

Mother's age if living	State of health	Mother's age and cause of death	Living, their ages and state of health	No. of sisters	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
------------------------	-----------------	---------------------------------	--	----------------	---

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is, Yes, please state what Service/Services you were examined for?

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.

Signature of the Chairman
of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (Name of candidate)
Physical Examination

1. General development: Good..... Fair..... Poor.....

Nutrition : Thin..... Average..... Obese.....

Height (Without shoes)..... Weight

Best Weight..... When? any recent change in weight? Temperature.....

Girth of Chest:

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration).....

2. Skin : Any obvious disease.....

3. Eyes:

(1) Any disease.....

(2) Night blindness.....

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision.....

(5) Visual acuity.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of Sph.	Cyl.	axis	glass
Distant vision	R.E.					
	L. E.					
Near Vision	R. E.					
	L. E.					
4. Ears: Inspection.....	Hearing: Right Ear.....					
Left Ear.....						
5. Glands.....	Thyroid.....					
6. Condition of teeth.....						
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?.....						
If yes, Explain fully.....						
8. Circulatory System:						
(a) Heart: Any organic lesions?.....	Rate Standing.....					
	After hopping 25 times.....					
	2 minutes after hopping.....					
(b) Blood Pressure : Systolic.....	Diastolic.....					
9. Abdomen : Girth.....	Tenderness.....					
Hernia.....						
(a) Palpable : Liver.....	Spleen.....					
Kidneys.....	Tumours.....					
(b) Haemorrhoids.....	Fistula.....					
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....						

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocle etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance.....

(b) Sp. Gr.....

(c) Albumen.....

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of Screening/X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service & Indian Statistical Service?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE.....

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:

(i) Fit.....

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Temporarily unfit on account of.....

Place.....

Date.....

Chairman

Member

Member